mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-203 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 जुलाई 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

को वनडे सीरीज...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के अंबाला में हैवान बना रिटायर्ड सूबेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में एक रिटायर्ड सूबेदार ने वहशियाना हरकत करते हुए धारदार हथियार से परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। मरने वालों में 6 महीने का बेटा और 5 साल की बेटी भी शामिल है। वारदात को शनिवार की देर रात जिले के नारायणगढ़ में अंजाम दिया गया। आरोपी

सूबेदार ने अपने पिता और भाई की बड़ी बेटी पर भी हमला किया था, उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक एक साथ पांच लोगों की हत्या करने के बाद आरोपी हमलावर सभी मृतकों के शवों को जलाने की भी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने धारदार हथियार से जिन लोगों की हत्या की है। उसमें मां, भाई, भाई की पत्नी और उसके दो बच्चे शामिल है।

केशव मौर्य ने सीएम योगी के विभाग से मांगा आरक्षण का ब्यौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। अब उन्होंने सीएम योगी के विभाग को पत्र लिखा है। बता दें कि उन्होंने नियुक्ति और कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव से आउटसोर्सिंग में आरक्षण की जानकारी मांगी है। लेटर में डिप्टी सीएम ने कहा है कि यह मुद्दा वह विधान परिषद में भी उठा चुके हैं। पिछले दिनों संगठन को लेकर उनका बयान काफी चर्चित रहा था। जिसमें उन्होंने कहा था कि 'संगठन से बड़ा कोई नहीं होता है'। इसे सीएम योगी पर साधे गए निशाने के तौर पर देखा गया था। इस दौरान उनके दिल्ली जाने से भी मामला काफी चर्चा में आ गया था। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने केशव प्रसाद मौर्य ने आउटसोर्सिंग और संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों की कुल संख्या को लेकर जानकारी मांगी है।

अमरीका चुनाव

कमला और ट्रंप में फाइट मुकाबला हो गया टाइट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 21 जुलाई, भारतीय समयानुसार रात करीब 11 बजे जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हाथ खींच लेते हैं। उन्होंने 28 जून की प्रेसिडेंशियल डिबेट हारने के करीब एक महीने बाद ये फैसला लिया। पार्टी लगातार बाइडेन पर दावेदारी वापस लेने के लिए दबाव बना रही थी। अब अपना नाम वापस लेते हुए बाइडेन ने उप-

राष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट के तौर पर चुना है। हालांकि, अभी कमला के नाम पर पार्टी की मुहर लगनी बाकी है। कमला उम्र में बाइडेन से 22 साल छोटी हैं। विपक्ष के हमलों का जवाब देने में माहिर हैं, ब्लैक वोटर्स से लेकर महिलाओं तक में उनकी पैठ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से करीब 20 साल छोटी हैं। अगर वह अपनी पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई जाती हैं तो पार्टी के अंदर वह एक नई पीढ़ी का नेतृत्व करेंगी।

दुकानदारों को अपनी पहचान बताने की जरूरत नहीं: एससी

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड और एमपी सरकार के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों से अपनी पहचान प्रदर्शित करने के आदेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील सीयू सिंह ने इसे अल्पसंख्यक आबादी के लिए घातक बताया है। सीयू सिंह ने यह तक कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार का यह फैसला अल्पसंख्यकों के आर्थिक बहिष्कार की प्लानिंग का संकेत दे रहा है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और

मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस भेजा है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में सोशिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स ने चुनौती दी है। इस मामले में जस्टिस ऋषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच सुनवाई कर रही है। इस दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से वकील सीयू सिंह दलील दे रहे थे।

आरएसएस को मोदी सरकार से बड़ा तोहफा

- 58 साल बाद संघ की की गतिविधियों में भाग ले सकेंगे सरकारी कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होन पर लगे बैन को हटाया है। 1966 में तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने यह बैन लगाया था। 58 साल बाद केंद्र सरकार ने इसे रद्द किया।

रविवार की देर रात कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है। 58 साल का प्रतिबंध हटाया गया है। मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है। रमेश ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय का 9 जुलाई को जारी कार्यालय के मेमोरेंडम को शेयर किया है। इसमें सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने से संबंधित जानकारी दी गई है। रमेश ने 1966 के आदेश की फोटो भी शेयर की है।

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया 2023-24 का आर्थिक सर्वे

- न्यू फाइनेंशियल ईयर में देश की जीडीपी की रफ्तार 6.5 से सात फीसदी रहने का जताया अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में वित्त वर्ष 2023-24 की आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत की। इसमें फाइनेंशियल ईयर 2025 में देश का जीडीपी ग्रोथ रेट 6.5 से सात फीसदी रहने का अनुमान है। आर्थिक समीक्षा (सर्वे) सरकार द्वारा केंद्रीय बजट से पहले प्रस्तुत किया जाने वाला वार्षिक दस्तावेज है जिसमें अर्थव्यवस्था की स्थिति की निष्पक्ष समीक्षा होती है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक संभाग द्वारा आर्थिक समीक्षा तैयार की जाती है। इसे मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में तैयार किया जाता है। देश में पहली बार आर्थिक समीक्षा 1950-1951 में पेश की गई थी जब यह बजट दस्तावेजों का ही हिस्सा होती थी। इसे 1960 के दशक में बजट से अलग किया गया और बजट पेश करने से एक दिन पहले संसद में प्रस्तुत किया जाने लगा। सीतारमण मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत करेंगी। इकनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि सर्विसेज सेक्टर में लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिल रहा है और अब कंस्ट्रक्शन सेक्टर में भी तेजी आई है। सरकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर देने से ऐसा हुआ है।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे शिवालय

- सावन माह के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ी भतों की भीड
- काशी विश्वनाथ में 2 लाख, महाकाल में डेढ़ लाख भतों ने किए दर्शन

बनारस (एजेंसी)। सावन का 22 जुलाई को पहला सोमवार था। सभी ज्योतिर्लिंगों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए रविवार रात से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मध्यप्रदेश के उज्जैन महाकाल मंदिर में लगभग 3 लाख श्रद्धालु पहुंचे है। दोपहर 1 बजे तक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। शाम 4 बजे बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दोपहर 2 बजे तक करीब 2 लाख भक्तों ने दर्शन और जलाभिषेक किया। इस बार मंदिर में प्रवेश के लिए दो-तीन नए रास्ते बनाए गए हैं। वाराणसी के गौदोलिया में कांवड़ यात्रियों का स्वागत मुस्लिम

समाज ने किया। इन लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इधर, मुजफ्फरनगर में कांवड़ियों ने पुलिस पर कुर्सियां फेंकी। विवाद कांवड़ खंडित होने के कारण हुआ। कांवड़ियों ने होटल में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ की। झारखंड के देवघर में बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक और दर्शन के लिए 4 किमी लंबी लाइन लगी है। पहली सोमवारी पर लगभग डेढ़ लाख कांवड़िए पहुंचे। गौदोलिया चौक पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। काशी की धरती पर आशिफ शेख ने बताया कि हम गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश कर रहे और अपने कांवड़िए भाइयों की सेवा कर रहे।

संसद में नीट पर हंगामा

आमने-सामने आए सरकार और विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र से शुरू हो गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नीट में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की। शिक्षा मंत्री बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है। राहुल गांधी ने कहा- देश को दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।

जम्मू में शौर्य चक्र विजेता के घर आतंकी हमला

- सेना की फायरिंग में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के राजौरी के घोंधा में सोमवार (22 जनवरी) सुबह आतंकियों ने एक शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। घटना सुबह 3.10 बजे हुई। हमले की खबर लगते ही 63 आरआर आर्मी कैंप से आई टुकड़ी ने जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकी को मार गिराया। आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है। शौर्य चक्र विजेता की पहचान पुरषोत्तम कुमार के रूप में हुई है। उन्हें पिछले महीने दो आतंकियों को मारने के बाद यह सम्मान मिला था।

एससी ने नीट के विवादित सवाल की जांच के दिए आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर एक्सपर्ट पैनल बनाएं, आज 12 बजे तक रिपोर्ट दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिजिक्स के 2 सही ऑप्शन वाले क्वेश्चन नंबर 19 की पड़ताल होनी चाहिए। 2 सही ऑप्शन देने से 44 स्टूडेंट्स को बोनस मार्क्स मिले और 4.2 लाख कैंडीडेट्स को नुकसान हुआ है। इस पर आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की राय लेनी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर 2 जवाबों वाले सवाल की जांच के लिए एक 3 मेंबर्स की एक्सपर्ट कमेटी बनाएं। एक्सपर्ट टीम उनमें से एक सही ऑप्शन चुनकर 12 बजे तक रजिस्ट्रार को अपनी राय भेजें। नीट गड़बड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई खत्म हुई। यह चौथी सुनवाई थी। अगली सुनवाई कल यानी मंगलवार को होगी। इसके अलावा,एजेंसी

आधे पेज में नीट यूजी रीटेस्ट के पक्ष में तर्क का रिटन सबमिशन ई-मेल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 स्टूडेंट्स को गलत पेपर मिला।

- सरकार ने माना- 3300 नीट कैंडीडेट्स को गलत पेपर मिला

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने सुनवाई जारी है। यह चौथी सुनवाई है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 से ज्यादा स्टूडेंट्स को गलत पेपर दिया गया था। इन्हें केनरा बैंक का पेपर बांटा गया था। सीजेआई ने कहा- हमारे पास अभी तक यह बताने के लिए कोई सबूत नहीं है कि पेपर लीक कितना व्यापक था और पूरे देश में फैला हुआ था। आरोपियों के बयान अलग-अलग हैं। अगर पेपर लीक (4 मई) की रात को हुआ है, तो जाहिर है कि लीक ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नहीं, बल्कि स्ट्रॉन्ग रूम वॉल्ट से पहले हुआ था। सीनियर एडवोकेट नरेंद्र हुड्डा के साथ संजय हेगड़े ने जिरह की।

संसद दल नहीं, देश के लिए है, मिलकर करें काम

- पीएम बोले-विपक्ष ने पिछले सत्र में प्रधानमंत्री का गला घोंटा
- मोदी बोले-2.5 घंटे तक मेरी आवाज दबाने की कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार (22 जुलाई) को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा। मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ। प्रधानमंत्री

ने कहा- विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है। मोदी बोले- आज सावन का पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र की शुरुआत हो रही है। आज संसद का मानसून सत्र आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का यह सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो। प्रधानमंत्री ने कहा- यह भारत के लोकतंत्र की गौरव यात्रा है।

सीएम नीतिश कुमार के करीबी आईएएस पर ईडी की रेड

बिहार में एनडीए गठबंधन में दिख रहे हैं मतभेद के संकेत

जेडीयू बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की पर अड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में सत्ताधारी एनडीए गठबंधन के बीच मतभेद, बीजेपी के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के करीबी माने जाने वाले एक आईएएस अधिकारी के ठिकानों पर ईडी के छापे ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि, एनडीए गठबंधन के सभी दल आधिकारिक तौर पर यही कहते हैं कि एनडीए एकजुट है और रहेगा। लेकिन, हालिया घटनाक्रम कुछ और ही बयां कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ मार्ग पर स्थित होटलों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश का भी बीजेपी की सहयोगी पार्टी जेडीयू ने कड़ा विरोध किया है। वहीं दूसरी ओर, बिहार बीजेपी के नेताओं ने एनडीए शासित राज्य में भी यूपी जैसा ही निर्देश जारी करने की मांग की है। बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि नाम प्रदर्शित करने में कोई बुराई नहीं है। बचौल ने कहा, अगर आपका कोई व्यवसाय है, तो अपना नाम प्रदर्शित करने में क्या हर्ज है। बिहार सरकार को भी यूपी सरकार की तरह कांवड़ मार्ग पर आदेश लागू करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विभाग छिनने से मंत्री नागर नाराज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विभाग छिनने से नाराज मंत्री नागर सिंह चौहान ने इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने सोमवार को मीडिया से कहा, मैं इस्तीफा दे दूंगा, क्योंकि मंत्री रहते हुए आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पा रहा हूं। मंत्री पद की शपथ लेने के 13 दिन रविवार को रामनिवास रावत को वन एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया। इस विभाग का जिम्मा मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। अब उनके पास अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ही रह गया है। बताया जा रहा है कि नागर सिंह इस बात से नाराज हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में नागर की पत्नी अनीता सिंह चौहान रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई हैं। सोमवार को नागर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा- अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, बड़वानी, धार, खरगोन के आदिवासी भाइयों ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया है कि मैं उनके लिए विकास करूंगा, लेकिन सरकार द्वारा मेरे मुख्य पद ले लेने के बाद मैं विकास नहीं कर पाऊंगा। उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊंगा। उन्होंने आगे कहा- मेरे बिना मांगे मुझे तीन-तीन विभाग दिए गए थे, जबकि मैंने आदिवासी होने के नाते आदिवासी विभाग मांगा था। इसके बावजूद कांग्रेस से आए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें पद दिए जा रहे हैं, जो कहीं न कहीं गलत है। अलीराजपुर जिला कांग्रेस का अभेद्य गढ़ रहा है। वहां हमने दिन-रात मेहनत करके काम किया है। मेरे विभाग ले लेने के बाद अब मंत्री बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है। हालांकि, बाद में नागर सिंह ने कहा कि अभी इस्तीफे का मामला होल्ड पर है। वे पहले भोपाल में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। उनकी बात नहीं सुनी जाती है तो इस्तीफा दे सकते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संचालन समिति का गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने भारत सरकार द्वारा सिडबी कलस्टर डेवलपमेन्ट फण्डके संचालन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त संचालन समिति का गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, प्रमुख सचिव वित्त, लोक निर्माण,पर्यटन,औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, को सदस्य बनाया गया है। संचालक बजट, सदस्य सचिव होंगे। समिति प्रशासकीय विभागों द्वारा प्रस्तावित ऐसी परियोजनाओं का परीक्षण कर अपनी अनुशंसा देगी, जिसके लिये सिडबी कलस्टर डेवलपमेंट फण्ड अंतर्गत ऋण प्राप्त किया जाना प्रस्तावित किया जायेगा। समिति द्वारा योजना/परियोजना की आवश्यकता, उससे राज्य को होने वाले लाभ, उसकी लागत व आर्थिक दृष्टि से उसकी उपयोगिता जैसे बिन्दुओं पर विचार किया जायेगा। यदि किसी अन्य प्रशासकीय विभाग की योजना/परियोजना सिडबी कलस्टर डेवलपमेंन्ट फण्ड अंतर्गत ऋण सहायता की परिधि में आती है, उस स्थिति में संबंधित प्रशासकीय विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव को बैठक में आमंत्रित किया जायेगा। समिति सिडबी कलस्टर डेवलपमेन्ट फण्ड से संबंधित अधिकारियों को भी समीक्षा बैठक में आमंत्रित कर सकेगी। सिडबी कलस्टर डेवलपमेंट फण्ड की समीक्षा के लिए समिति की बैठक आवश्यकातनुसार त्रैमासिक रूप से आयोजित की जायेगी।

भोपाल के दादाजी धाम में धूमधाम से मना गुरूपूर्णिमा उत्सव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के लक्ष्मी नारायण मंदिर (दादाजी धाम) में गुरुपूर्णिमा पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया गया। यहां प्रात:काल से ही शिष्यों का तांता लगना शुरू हो गया था। प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी शिष्यगण अपने गुरुदेव भगवान का पूजन-वंदन करने पहुंचे थे। शिष्यों ने यहां दादाजी भगवान का दूध, पंचामृत व नर्मदा जल से अभिषेक किया और उसके बाद गुरु पूजन कर चरण वंदना की। इस अवसर पर शिष्यों ने गुरुजी के समक्ष प्रकृति बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर गुरुजी पं. अम्बिका प्रसाद शर्मा एवं आचार्य पंकज शर्मा ने अपने शिष्यों से वैदिक संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र देश है जहां गुरु-शिष्य परंपरा अति प्राचीन है। यह हमारी सुदृढ़ संस्कृति का आधार भी है। वेद, पुराण, रामायण इन सबमें गुरु महिमा का विस्तृत वर्णन है। गुरुजी ने सनातन धर्म को बचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाएं। इसके लिए दादाजी परिवार द्वारा मंदिरों में बच्चों को संस्कार दिए जा रहे हैं। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ मंदिरों में कराया जा रहा है।

लखनऊ जाने वाले रेल यात्रियों को राहत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 04 अतिरिक्त वातानुकूलित तृतीय श्रेणी कोच जोड़े भोपाल से लखनऊ जाने वाली ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गरीबरथ एक्सप्रेस में 4 कोच बढ़ाने का काम निर्णय लिया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12593/12594 लखनऊ जंक्शन-भोपाल जंक्शन-लखनऊ जंक्शन गरीब रथ एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 4 अतिरिक्त वातानुकूलित तृतीय श्रेणी कोच जोड़ने का निर्णय लिया है।

मंत्री डॉ. शाह ने मृगनयनी एम्पोरियम का निरीक्षण कर खरीदे परिधान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सोमवार को वल्लभ भवन क्रं.-3 के भूतल स्थित मृगनयनी एम्पोरियम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने एम्पोरियम के जरिये बेचे जाने वाले वस्त्रों व उत्पादों की जानकारी ली और प्रसन्नता व्यक्त की।

मंत्री डॉ. शाह ने एम्पोरियम में प्रदर्शित वस्त्रों पर रूचि व्यक्त की और अपनी जरूरत व पसंद के अनुसार एम्पोरियम से परिधानों की नकद खरीदारी की। उन्होंने कहा

कि हाथ से बने वस्त्रों की बात ही कुछ और है। यह आकर्षक होने के साथ टिकाऊ भी होते हैं। उन्होंने आगे भी यहीं से परिधान खरीदने की इच्छा व्यक्त की। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल को जब यह जानकारी मिली, तो उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनजातीय कार्य मंत्री से व्यक्तिशः मिलकर उनका आभार व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों सहित अन्य उत्पादों के विकास के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है कि मृगनयनी एम्पोरियम्स कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित किये जाते है। मृगनयनी एम्पोरियम्स में खादी से बने वस्त्र, परिधान, चादर, कॉसे, ताम्बे से बने खिलौने, बर्तन, मूर्तियां, झूमर, झालर आदि विक्रय किये जाते हैं।

एनएचएम के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एनएचएम में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज पूरे प्रदेश में हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि सरकार ने हमसे जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया है। इसके विरोध में विरोध में प्रदेश के 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर हैं। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय ठक्कर ने बताया कि कैबिनेट द्वारा संविदा नीति 2023 को बहुत पहले ही मंजूरी दे दी गई है। मंत्रिपरिषद ने इसे जल्द लागू करने के निर्देश विभागों को दिए थे। एक वर्ष बाद भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा लागू नहीं किया है। संविदा नीति 2023 के प्रावधान लागू नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 32 हजार एचएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मी सामूहिक छुट्टी लेकर सेवा के दौरान मृत हुए साथियों के परिवार को न्याय दिलाने राज्य स्तरीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन एचएचएम कार्यालय भोपाल के सामने करेंगे। विजय ठक्कर ने कहा कि एनएचएमसंविदा कर्मियों के लिए नीति लागू करने के आदेश जारी नहीं हो रहे हैं। लेकिन, स्वास्थ्य संचालनालय भोपाल द्वारा स्वास्थ्य विभाग के नियमित पदों के विरूद्ध सेवाएं दे रहे संविदा कर्मियों के आदेश पिछले वर्ष ही जारी कर दिए गए है। ग्रेड- पे सुधार को लेकर 36 से अधिक केडर अपनी अपील प्रस्तुत कर चुके हैं। एक साल हो गया अपील का निराकरण नहीं किया गया है। प्रदेश के 32 हजार एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे है। हमने यह निर्णय लिया है। अगर हमारी मांगे नहीं मानी गईं तो जल्द ही अनिश्चित कालीन हड़ताल एवं काम बंद, कलम बंद का सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

विकास लक्ष्य हासिल करने में तेजी से बढ़ता मध्यप्रदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय वित्त मंत्री डॉ. निर्मला सीतारमण द्वारा आज संसद में प्रस्तुत देश के आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में मध्यप्रदेश में सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र के नवाचारी प्रयासों का विशेष उल्लेख किया गया है। आर्थिक सर्वेक्षण में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत इंदौर के 500 टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता वाले बायोफयूल प्लांट का उल्लेख केस स्टडी के रूप में किया गया है। इसे 2021 में इंदौर नगर निगम द्वारा स्थापित किया गया था। यह प्लांट आकल्पन-निर्माण-वित्त संचालन और हस्तांतरण के माडल पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी के आधार पर संचालित है। प्लांट करीब 44 से 45 हजार क्यूबिक मीटट बायो गैस प्रतिदिन बनाता है, जिससे करीब 17 हजार किलो बायो-सीएनजी प्रतिदिन बनती है। इस प्लांट से सालाना एक लाख तीस हजार टन कार्बन डायआक्साइड उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है। इंदौर के बायो-सीएनजी प्लांट की प्रसंस्करण क्षमता 400 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। इससे जैविक कचरे का प्रसंस्करण होता है, जिससे प्रतिदिन 14.8 मीट्रिक टन बायो-सीएनजी और 80 मीट्रिक टन फरमेंटेड जैविक खाद बनती है। इसके अलावा नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत लिंक परियोजना का उल्लेख है जिसमें केन-बेतवा लिंक परियोजना, परिवर्तित-पार्बती-कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना का उल्लेख किया गया है। केन-बेतवा लिंक परियोजना नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान के अंतर्गत पहली परियोजना है जिसका अनुमोदन 2021 में किया गया था। इसके लिये केन्द्र सरकार की ओर से 39,317 करोड रूपये का सहयोग मिला है। इसे मध्यप्रदेश द्वारा उत्तर प्रदेश और केन्द्र सरकार के परस्पर सहयोग से क्रियान्वित किया जायेगा। सर्वेक्षण में नीति आयोग के सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल के इंडेक्स 2023-24 का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि जो दस नये राज्य सस्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल हासिल करने में आगे रहे हैं उनमें मध्यप्रदेश शामिल है। वर्ष 2018 से 2023-24 के बीच मध्यप्रदेश 15 अंकों के साथ सर्वाधिक तेजी से आगे बढ़ते राज्यों शामिल है। सर्वेक्षण में किसान हितैषी नीति के फ्रेमवर्क का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश की भावांतर भुगतान योजना की चर्चा की गई है।

भोपाल में 5 करोड़ से बने ब्रिज की रिपेयरिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के कोलार रोड स्थित कलियासोत नदी पर 5 करोड़ रुपए से बने ब्रिज पर सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस ने गड़बड़ी की शिकायत की। इधर, स्पान के ज्वाइंट की रिपेयरिंग भी पीडब्ल्यूडी ने शुरू कराई है। जहां ज्वाइंट खुले हैं, उसके आसपास के क्षेत्र को कवर किया है। सर्वधर्म कॉलोनी में पुराने ब्रिज से सटकर ही नया ब्रिज बना है। इसके ऊपर से कुछ महीने पहले ही ट्रैफिक शुरू हुआ है, लेकिन उद्घाटन नहीं हुआ। उद्घाटन से पहले ही नए ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए।

इस मामले में तीन दिन पहले कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता आरके मेहरा से शिकायत की। कहा- ब्रिज भ्रष्टाचार का शिकार हुआ है। ब्रिज के स्पान के ज्वाइंट खुल गए हैं। वहीं, सीमेंट क्रॉन्कीट की परत भी उखड़ने लगी है। कांग्रेस के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ समेत अन्य कांग्रेसियों ने जांच की मांग की। जिलाध्यक्ष राठौड़ ने बताया कि शिकायत के बाद प्रमुख अभियंता मेहरा ने जांच के आदेश दिए। तकनीकी समिति निरीक्षण कर जांच करेगी। जांच के दौरान ही पीडब्ल्यूडी ने रिपेयरिंग शुरू कराई है। पीडब्ल्यूडी ने शनिवार और रविवार को ब्रिज की मरम्मत की। इसके दोनों ओर के क्षेत्र को भी कवर किया है। हालांकि, इससे ट्रैफिक भी बाधित हो रहा है।

स्टूडेंट्स के लिए शुरू हुआ मेंटर मेंटी प्रोग्राम, हर विद्यार्थी को मिला एक मेंटर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बीएमएचआरसी में अध्ययन प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की समस्याओं के निवारण के लिए बीएमएचआरसी ने एक मेंटर- मेंटी कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत संस्थान के विभिन्न विभागों में एमडी, एमएस, डीएम या एमसीएच कर रहे हर विद्यार्थी के लिए उनके विभाग से ही एक फैकल्टी को उनका मेंटर बनाया गया है। नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स के लिए भी अलग-अलग टीचर्स को मेंटर बनाया गया है।

बीएमएचआरसी में गुरू पूर्णिमा के मौके पर इसकी शुरूआत हुई। इस मौके पर विद्यार्थियों व टीचर्स ने संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान में एनेस्थीसियोलॉजी, ऑथ्रेल्मोलॉजी, कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी समेत कई विभागों में पीजी व सुपर स्पेशियलिटी कोर्स संचालित हो रहे हैं। साथ ही नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज में भी कोर्स संचालित हो रहे हैं। इन कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को भावनात्मक सपोर्ट देने व उनके घर जैसा माहौल प्रदान करने के लिए मेंटर मेंटी कार्यक्रम शुरू किया गया है। स्टूडेंट्स अपनी किसी भी तरह की परेशानी को अपने मेंटर को बता सकते हैं और उनसे सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। सभी फैकल्टी को भी अपने-अपने स्टूडेंट्स का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में खुलेंगे 94 सीएम राइज स्कूल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के जनजातीय वर्ग के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा और इनके सर्वांगीण विकास के लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है। जनजातीय वर्ग के बच्चे शिक्षा के मामले में किसी से भी पीछे या कमतर न रहें, इसके लिये सरकार ने जनजातीय बहुल अंचलों/जिलों में इन बच्चों की बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की चिंता की है। इसके लिये सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में 94 सीएम राइज स्कूल्स स्थापित करने का निर्णय लेकर इस पर काम भी प्रारंभ कर दिया है। इन विद्यालयों के माध्यम से जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक व शारीरिक विकास सहित खेल एवं अन्य

विधाओं की शिक्षा भी दी जाएगी।

जनजातीय क्षेत्रों में स्थापित होने वाले 94 सीएम राइज स्कूल्स में से वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 38 सीएम राइज स्कूलों का निर्माण कार्य पूरा कर इनमें जल्द से जल्द पढ़ाई भी प्रारंभ कर दी जाएगी। इसके लिये युद्ध स्तर पर स्कूलों का निर्माण एवं अन्य जरूरीविकासकार्य किये जा रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सीएम राइज स्कूलों के निर्माण के लिये सरकार ने जारी वर्ष के सालाना बजट में 667 करोड़ रूपये आरक्षित कर दिये हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अधोसंरचना, प्रोत्साहक परिवेश एवं अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये सरकार ने सीएम राइज स्कूलों की स्थापना कर प्रदेश का शैक्षणिक परिदृश्य बदलने का बीड़ा उठाया है। प्रदेश में सीएम राइज स्कूलों की स्थापना के लिये सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में 2 हजार 738 करोड़ रूपये प्रावधानित किये हैं। सरकारी स्कूलों में सर्व-सुविधायुक्त वातावरण के साथ विद्यार्थियों को रोचक एवं आनंददायक शिक्षा देने के लिये सरकार ने सीएम राइज स्कूल्स की स्थापना की है। पहले चरण में 275 सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किये जा चुके हैं। आगामी 10 सालों में प्रदेश में 9 हजार 200 सीएम राइज स्कूल्स शुरू करने की सरकार की योजना है। इन सीएम राइज स्कूल में के.जी. से कक्षा 12वीं तक संचालन की व्यवस्था के साथ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की गई है।

नाले की जमीन पर खड़े कर रहे पिलर, शिकायत के बाद भी नहीं रुका काम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कोलार सिक्सलेन के किनारे बनाए जा रहे नाले के स्थान पर आरसीसी का स्लैब डालकर पक्का निर्माण किया जा रहा है। मामला चूनाभट्टी चौराहा स्थित काली मंदिर के पास का है। आसपास के दुकानदार और रहवासियों ने इसकी लिखित शिकायत क्षेत्रीय एसडीएम और पीडब्ल्यूडी के अलावा नगर निगम, पुलिस थाने में भी की है। रहवासियों का कहना है कि कुछ लोगों के दबाव में यहां नाले के मोड़ दिया गया है। नाले के स्थान पर पक्का स्लैब डालकर निर्माण किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में जिम्मेदारों की मिलीभगत की आशंका है। दरअसल कोलार सिक्सलेन प्रोजेक्ट में सड़क किनारे नाला निर्माण किया जा रहा है। लेकिन मंदिर के सामने वाले हिस्से में नाला डायवर्ट कर सड़क क्रॉस कराकर दूसरी ओर कर दिया गया है। इसके लिए सड़क के नीचे दो फीट के पाइप डाले गए हैं। आशंका है कि चूनाभट्टी चौराहा, नेहरू नगर की ओर से आने वाली सड़क और आसपास के क्षेत्र का बरसाती पानी आएगा तो नाली नाकाफी साबित होगी। शिकायत के बाद जिला प्रशासन की टीम ने शनिवार को मौका मुआयना किया। पाया गया कि निर्माण गलत तरीके से किया जा रहा है। अधिकारियों ने तोड़े जाने की बात कही है। रहवासियों की मानें तो जिस हिस्से में पक्का स्लैब डालकर पिलर खड़े किए जा रहे हैं उसके ठीक नीचे चूनाभट्टी इलाके में पानी सप्लाई के लिए बिछाई गई पानी की पाइप लाइन गुजरी है। पानी की पाइप लाइन पर इसका भार भी आएगा। भविष्य में पाइप में लीकेज हुआ तो पक्का निर्माण होने के कारण सुधार कार्य करना भी मुश्किल होगा।

प्रतिबंध बेअसर -

वाहनो में मनमानी नम्बर प्लेटों का धडल्ले से हो रहा उपयोग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले में दो पहिया एवम चार पहिया वाहन चालक शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का धडल्ले से उल्लंघन कर रहे हैं।

इसके साथ ही असमाजिक तत्वों द्वारा अपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर अपनी पहचान छुपाते हुए घटना स्थल से भागने में भी सफल हो रहे हैं। नियमों को ताक पर रखते हुए मनमानी ढंग से नंबर प्लेट लगाकर कई वाहन चालक आमजनो के बीच धौंस जमाते हुए धड़ल्ले से घूम रहे हैं। कई वाहनों के नंबर प्लेट रंग-बिरंगी, आड़ी-तिरछी, स्टाइलिश और स्लोगन लिखे हुए हैं या फिर उस पर अक्षर या अंक का साइज छोटा-बड़ा लिखा हुआ है।

ऐसे वाहन यातायात नियमों का उल्लंघन तो कर ही रहे हैं, इसके बावजूद आरटीओ विभाग द्वारा कोई जॉच या दण्डात्मक कार्रवाई भी नहीं की जा रही है।

जिला मुख्यालय पर वाहनों की नम्बर प्लेट पर कुछ भी लिखवाओं कोई रोकने- टोकने वाला नहीं है। यह बात सुनने में जरूर अजीब लगेगी, लेकिन यह बात सत्य है। शहर की सड़कों पर दो पहिया वाहनों पर आढ़े-तिरछे नम्बर लिखे वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। नम्बर प्लेट पर नम्बरों के अलावा अन्य शब्द लिखवाने का चलन बढ़ता जा रहा है।

निजी वाहनो में लिखवा रहें म.प्र.शासन

मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार दो या चौपहिया वाहनों की नम्बर प्लेट पर नम्बरों के अलावा कुछ भी नहीं लिखा जा सकता है। वाहनों पर हाई सिक्योरिटी प्लेट लगी होना अनिवार्य है। इसमें भी नम्बर प्लेट पर लिखे जाने वाले नम्बर एवं शब्दों का साइज निर्धारित है। इसका उल्लंघन करने अथवा त्रुटिपूर्ण तरीके से लिखवाने पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बावजूद वाहनों पर विभिन्न तरीकों से नम्बर लिखवान, नम्बर प्लेट पर नम्बर के स्थान पर अन्य शब्द अथवा जाति आदि लिखवाने का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद परिवहन विभाग की ओर से ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। इसमें भी कई वाहन चालकों ने वाहनों पर मध्य प्रदेश शासन एवं भारत सरकार आदि का लोगो एवं सुनहरे शब्दो में लेख कराया हुआ है।

यह है नियम

मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार वाहन स्वामी अपने वाहन पर कोई अन्य चीज ना तो लिखावा सकते हैं, ना किसी नाम पदनाम का उपयोग नम्बर प्लेट में लगा सकते हैं। नंबर प्लेट पर परिवहन विभाग से जारी हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट लगाने का प्रावधान है। इसके बावजूद कोई भी ऐसा करता है तो उसके खिलाफ एमवी एक्ट के तहत जुर्माने का प्रावधान है।

बिना मान्यता के ही संचालित हो रहें कालेज : अजय सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और चुरहट विधायक अजय सिंह ने कहा है कि भाजपा ने मध्यप्रदेश को घोटालों की प्रयोगशाला बना दिया है। रीवा के सिरमौर चौराहे पर नीट परीक्षा पेपर लीक एवं नर्सिंग घोटाले के विरोध में युवा कांग्रेस के द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय के घेराव को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत कम लोगो को मालूम होगा कि जिनके नेतृत्व में व्यापम घोटाला हुआ था उन्हीं के नेतृत्व में यूपीएससी घोटाला हुआ और उन्हीं प्रदीप जोशी के नेतृत्व में बड़े बड़े घोटाले हो रहे है।

अजय सिंह ने कहा कि सरकार का यह तानाशाही रवैया है। भाजपा शासनकाल में छात्रों का भविष्य चौपट हुआ है। प्रदेश के लाखों छात्र जो नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं उनके साथ कुठाराघात हुआ है। फर्जी कालेज संचालित किये जा रहे हैं, बच्चों से लाखों रूपये की फीस वसूली गई लेकिन परीक्षाएं नहीं हो रही है। 2021 से आज चार साल हो रहे हैं लेकिन नर्सिंग का छात्र प्रथम वर्ष में ही अध्ययनरत है। जहां कालेज हैं वहां फेकल्टी नहीं है, लेबोरेटरी नहीं है, सैकडों कालेजों को मान्यता नहीं मिली फिर भी कालेज संचालित हो रहे हैं। बगैर अनुमति के कालेज चल रहे हैं, जिससे छात्रों के साथ धोखा किया गया है। नर्सिंग घोटालों को लेकर प्रदेश भर के छात्र आंदोलनरत हैं और वे न्याय की गुहार लगा रहे है।

आपका थाना आपके गांव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुनी समस्या किया निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा द्वारा जिले में लोगो की समस्या उनके गांव में ही सुनने एवं उनका उसी जगह पर निराकरण करने हेतु समस्त थाना चौकी प्रभारियो को आपका थाना आपके गांव अभियान चलाया जाकर उसमें संबंधित राजपत्रित अधिकारियो को सम्मिलित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशो के पालन में उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी की उपस्थिति में थाना बहरी अतर्गत कुशियारी गांव में आपका थाना आपके गांव अभियान का आयोजन किया गया। जिसमे थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राकेस बैस एवं थाना स्टॉफग्राम पंचायत के सचिव, सरपंच, गणमान्य लोग एवं ग्राम पंचायत की जनता उपस्थिति रहें। कार्यक्रम में ग्रामीणों को नए कानून, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध एवं महिला संबंधित अपराधों के बारे में जानकारियां दी एवं जनता की समस्याओं की सुनवाई की जाकर वहीं पर निराकरण किया गया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में मनाया गया दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा उत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में 21 एवं 22 जुलाई को दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. लहरी सिंह सेवानिवृत्ति प्राध्यापक हिंदी, विशिष्ट अतिथि डॉ. अम्बरीश कुमार तिवारी, डॉ. शेषमणि मिश्रा, डॉ. अमर प्रकाश गुप्ता सभी सेवानिवृत्ति प्राध्यापक, डॉ. शिव शंकर मिश्र सेवानिवृत अध्यापक, अशोक तिवारी साहित्यकार ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों, प्राचार्य, वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप, धूप जला वंदन कर किया गया। तत्पश्चात सभी अतिथियों का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने माल्यार्पण, शाल श्रीफल से सम्मान किया। साथ ही अतिथियों के सम्मान में छात्र-छात्राओं द्वारा गुरु वंदना की प्रस्तुति दी गई एवं पुष्प अर्पण किया गया।

प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने संभाषण से अतिथियों का स्वागत किया तथा महाविद्यालय का परिचय और विजन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन के माध्यम से प्राचीन भारतीय गुरु शिष्य-परंपरा तथा आधुनिक विद्यार्थी-शिक्षक परंपरा में सामंजस्य स्थापित कर दोनों परंपराओं का अंतः संबंध बताया। डॉ. प्रभाकर सिंह ने गुरु पूर्णिमा का महत्व ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर, डॉ. अनिल कुमार सिंह ने गुरु शिष्य- परंपरा भारतीय परंपरा में गुरु शिष्य संबंधों के महत्व, विनोद कुमार साकेत ने शिक्षा में नैतिकता- नैतिक शिक्षा और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में उसकी भूमिका, डॉ. अनिल कुमार सिंह एवं डॉ. रविंद्र नाथ सिंह ने योग और ज्ञान-गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर जोर, डॉ. आर.वी.एस चौहान गुरु के आदर्श रू प्रमुख गुरुओं की जीवन गाथा और उनके शिक्षण सिद्धांत, डॉ. उमाकांत साहू शिक्षा में नवाचार- आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार की भूमिका और उसकी आवश्यकता पर अपने वक्तव्य दिये साथ ही छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह, संयोजन विनोद कुमार साकेत विभागाध्यक्ष हिंदी, मंच संचालन डॉ. अनिल सिंह प्राध्यापक अंग्रेजी ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आर.वी.एस चौहान, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. भोला सिंह कुशराम, विभिन्न विषयों के सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सांसद मिले सिक्किम के राज्यपाल से, किया अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा नई दिल्ली स्थित सिक्किम हाउस में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान शानदार विजयश्री अर्जित करने के लिए सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा का सिक्किम के राज्यपाल ने अभिनंदन किया और क्षेत्र की जनता का आभार व्यापित करते हुए सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा को बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने सिक्किम के राज्यपाल श्री आचार्य का फूल माला एवं साल से अभिनंदन किया। उक्त जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी द्वारा दी गयी।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में श्रद्धा भाव और उमंग के साथ मनाया गया गुरुपूर्णिमा का उत्सव

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में दो दिवसीय गुरुपूर्णिमा का उत्सव श्रद्धा भाव और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित के साथ हुई। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक रामपाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पराग साकेत, धीरज नामदेव, जगत बहादुर सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. निशा सिंह ने किया।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. सौरभी गुप्ता और डॉ.संगीता मिश्रा के नेतृत्व में प्रार्थना की गई। योग और ध्यान पर डॉ. सुरेंद्र गुप्ता ने छात्रों को अवगत कराया तो डॉ. अमिता खरे ने गुरुपूर्णिमा के इतिहास के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षण सिद्धांत के बारे में डॉ. राजेश पटेल ने बताया तो वही आधुनिक शिक्षण प्रणाली में नवाचार की भूमिका पर प्रवीण साकेत ने प्रकाश डाला। महाविद्यालय की डॉ. सौरभी गुप्ता ने गुरु-शिष्य संबंधों की व्याख्या की तो डॉ. संध्या वर्मा ने गुरुपूर्णिमा के बारे में बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामपाल सिंह ने कहा कि गुरु के बगैर मानव जीवन नीरस है। आत्म ज्ञान से ही जीवन सफल और सार्थक होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में धीरज नामदेव ने भी छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने कहा कि गुरु की कृपा से ही व्यक्ति के हृदय का अज्ञान व अंधकार दूर होता है। गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओ काजल तिवारी, रुचि तिवारी, शीलू शुक्ला, लक्ष्मी सेन, सुधा कुशवाहा, संतोषी मिश्रा, प्राची गुप्ता, सत्यभामा तिवारी, आदि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत मे महाविद्यालय परिवार के द्वारा रामपाल सिंह का शाल और श्रीफल के द्वारा सम्मान किया गया तो वही महाविद्यालय के अतिथि विद्वानों द्वारा प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। महाविद्यालय की छात्रा मंदाकिनी तिवारी के द्वारा महाविद्यालय के शिक्षकों का नारियल और तिलक लगाकर सम्मान किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ. कमलेश जायसवाल, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. राजेश पटेल, प्रवीण साकेत, डॉ. निशा सिंह, दीपराज प्रजापति, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ.सौरभी गुप्ता, डॉ. अमिता खरे, डॉ. संध्या वर्मा, डॉ. ज्योति रजक, सुंदरलाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

युवा मोर्चा कारगिल विजय दिवस पर आयोजित करेगा विविध कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं मोर्चे के अध्यक्ष की अध्यक्षता एवं और प्रभारी डॉक्टर मनोज मिश्रा की विशिष्ट उपस्थिति में पार्टी कार्यालय में संपन्न हुई। युवा मोर्चा की जिला बैठक को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि युवा मोर्चा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगा। कारगिल विजय दिवस भारत की विजय श्री का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के मानचित्र पर दृढ़ता से उभर रहा है और इस कार्यकाल में हम विश्व की तीसरी ताकत बनेंगे। इस दौरान विजयदीप कार्यक्रम के साथ-साथ कारगिल में शहीद हुए परिवार जनों के सम्मान, सदस्यता, व्यापक रूप से प्रभावित तरीके से करे।

युवा मोर्चा के प्रभारी और जिला महामंत्री डॉ मनोज मिश्रा ने कहा कि युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी का महत्वपूर्ण मोर्चा है, जिसमें युवाओं के कल्याण और देशभक्ति से ओत.प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अध्यक्ष उद्बोधन में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निशांत मिश्रा कंपू ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी का युवा मोर्चा आगामी 1 माह के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसकी रणनीति और कार्य विभाजन के साथ.साथ कार्यक्रम के स्वरूप की व्यापक चर्चा आयोजित बैठक में हुई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पुनीत नारायण सिंह चंदेल, मोर्चे के महामंत्री सुभम जायसवाल सहित मोर्चे के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले के किसान भाई कर रहे है राइस ट्रान्सप्लांटिंग से धान की रोपाई : उप संचालक कृषि

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में सीधी जिले के किसानों के यहां वर्ष 2024 में राइस ट्रान्सप्लांटिंग से धान की रोपाई कर रहे है। 18 जुलाई 2024 को ओमकार सिंह चौहान रोहित सिंह ग्राम सारो कला विकासखण्ड सीधी में संजय कुमार श्रीवास्तव उप संचालक कृषि सीधी, पी.एल. कुशवाहा अनुविभागीय कृषि अधिकारी सीधी, बंटीलाल तकनीकी सहायक सीधी एवं चितरंजन कुमार कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा अवलोकन किया गया।

स्वर्णकार समाज की नई कार्यकारणी गठित

पूनम प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उमेश कोर कमेटी के सदस्य हुए मनोनीत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। गत दिनांक 20 जुलाई को कटनी में आयोजित केंद्रीय स्वर्णकार समाज विकास समिति मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के शपथ समारोह का भव्य आयोजन हुआ जिसमें समाज की उपस्थिति सराहनीय रही। स्वजातीय स्वर्णकार समाज मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ समिति के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय मुरारी लाल सोनी द्वारा शंकर प्रसाद सोनी पिता मोतीलाल सोनी रामपुर नैकिन सीधी, दिनेश सोनी महालक्ष्मी ज्वेलर्स और पूनम सोनी को प्रदेश उपाध्यक्ष और उमेश सोनी राधाकृष्णन ज्वेलर्स को कोर कमेटी के सदस्य और श्रीमती जगदंबा सोनी पति सुभाष सोनी को मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ स्वजातीय स्वर्णकार समाज केंद्रीय टीम के महिला इकाई का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ श्रेष्ठ जेष्ठ मार्गदर्शक और नागरिक मौजूद रहें।

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हजारों शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

गूंजे बम बम भोले के जयकारे

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सावन के पहले सोमवार को शिव भक्तों के उत्साह व भगवान शिव के जयकारों से सिद्ध भूमि शिव मय नजर आई। तड़के से ही शिवालय श्रद्धालुओं के जयकारों से गुंजयमान होने लगे। श्रद्धालुओं, कांवड़ियों ने भोलेनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए जलाभिषेक किया।

मंदिरों में भक्तों की भीड़ का तांता देर शाम तक लगा रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में भोले बाबा के दर्शन करने हेतु पहुंचे। वहीं भक्तों के द्वारा बढ़ौरा शिव मंदिर व स्वामी नील कंठ धाम मौहर में व्याप्त अव्यवस्था के प्रति काफी नाराजगी भी जताई।

सोमवार के तड़के से ही शिव भक्त शिवालयों में जल लेकर जलाभिषेक के लिए पहुंच गए और मंदिर के कपाट खुलते ही कांवड़िए जलाभिषेक के लिए मंदिरों में उमड़ पड़े।

इस दौरान कई शिव भक्त अपने आराध्य को मनाने के लिये दूध, दही, शहद, गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक कियें।

अन्य शिवभक्तों ने भी सावन माह के पहले सोमवार पर मंदिरों में जलाभिषेक कर भोलेनाथ की आराधना की।

भगवान का जलाभिषेक कर उपवास किया। बढ़ौरा शिव मंदिर में सोमवार के तड़के से देर शाम तक लगातार भक्तों का हुजूम दिखा। उधर पुलिस भी मौके पर सुरक्षा को देखते हुए मौजूद रहीं।

सावन माह का पहला सोमवार आज

सिंगरौली के कोहरौल शिव मंदिर में दर्शन करने सुबह 4 बजे से पहुंचे भक्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सावन माह के पहले सोमवार को सिंगरौली जिले के एनसीएल बीना परियोजना परिक्षेत्र स्थित कोहरौल शिव मंदिर में हजारों लोग दर्शन करने पहुंचे। सुबह 4 बजे से ही भोलेनाथ के दर्शन करने बीना, मिश्रा, भैरवा, चंदूआर, घरसड़ी, बरवानी गांव से सैकड़ों भक्त दर्शन करने पहुंचे।

शिव मंदिर के प्रधान पुजारी रामचंद्र गिरी ने बताया कि यह मंदिर 60 वर्षों पहले बना था। 1960 में क्षेत्र में जब रिहंद बांध का निर्माण हुआ, तब शिवलिंग बांध क्षेत्र में नौका गांव में था। इस दौरान जब पूरा क्षेत्र डूब गया तो स्थानिस कृष्ण बिहारी सिंह और पंडित वेदांती प्रसाद दुबे ने पानी से शिवलिंग निकाल कर मंदिर बनवाकर शिवलिंग की स्थापना की।

पुजारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष शिवरात्रि के अवसर पर यहां मेला भी लगता हैं, जिसमें सिंगरौली जिले के सैकड़ों गांवों से लोग आते है। सावन माह के पहले सोमवार को यहां बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया है।

विचार

समाज के अंतिम व्यक्ति को मिले विकास का लाभ

तीसरी पारी शुरू होते ही नई सरकार कह रही है कि देश में जितना आर्थिक विकास उनके शासनकाल में हुआ, उतना उनकी पूर्ववर्ती सरकारों ने नहीं किया। अब देश को नई पहचान देने का प्रयास हो रहा है। मोदी शासन का पहला आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत होने से पहले देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों की राय ली जा रही है ताकि ये आर्थिक लाभ कतार में खड़े आखिरी आदमी तक पहुंच सके। अर्थशास्त्रियों से यह राय ली जा रही है कि देश में गरीबी कैसे कम होगी। अमीर-गरीब का भेद कैसे कम होगा। देश की पिछड़ती हुई कृषि में नई जान कैसे डाली जाएगी। कृषि आज भी देश का महत्वपूर्ण व्यवसाय है और इस क्षेत्र में आबादी का 50 प्रतिशत संलग्न है। प्रश्न यह है कि कृषि का योगदान सकल घरेलू आय में क्यों घटता जा रहा है वर्तमान में, यह सकल आय के आधे हिस्से से घटकर केवल 15 प्रतिशत का रह गया है। छोटे किसान निराशा, बदहाली और पिछड़ेपन के गर्त में हैं। गरीबी को दूर करने के लिए सिर्फ परिभाषाएं बदलना पर्याप्त नहीं है। यह आवश्यक है कि जनता के जीवन स्तर में सुधार हो और उनकी मूलभूत जरूरतें पूरी हों। मोदी सरकार अपनी तीसरी पारी का पहला बजट संसद में पेश करने जा रही है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का यह सातवां बजट है। हालांकि, नई राह पर चलने का दावा करने वाले आर्थिक विशेषज्ञों के सामने अभी कई प्रश्न हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है। यदि सरकार अपने पहले कदमों के रूप में इनकी घोषणा कर सके तो बेहतर होगा। एक समतावादी समाज की स्थापना संविधान का महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है, लेकिन जब निजी क्षेत्र को प्राधान्य मिलने लगा, तो निजी और सार्वजनिक भागीदारी के नाम पर धन का असमान वितरण और बढ़ गया। गरीब और गरीब होते गए, जबकि अमीरों की आर्थिक सामर्थ्य लगातार बढ़ती रही। यह कैसा विरोधाभास है जबकि दुनिया में भारत आर्थिक ताकत के रूप में मजबूत होता जा रहा है और यहां करोड़ों गरीब बदहाल हैं। अनियमित रोजगार है। बेरोजगार युवा स्थायी रोजगार न मिलने के कारण विदेशों की ओर पलायन कर रहा है या नशे की गर्त में डूब रहा है। इस समय सरकार के सामने सवाल यह है कि मध्यम और कमजोर वर्ग को कैसे राहत दी जाए इस समय जो विकास हो रहा है, वह मुख्यत: निवेशकों के प्रयासों से है। यह विकास निजी क्षेत्र के डिजिटल, रोबोट युग के आगमन और कृत्रिम मेधा के कारण है। इसके बावजूद, देश के आम आदमी की बेरोजगारी की समस्या हल नहीं हो रही है। आंकड़े बताते हैं कि शहरों की तुलना में गांवों में बेरोजगारी बढ़ने लगी है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मीडिया के उलझे रिश्ते

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

माननीय प्रधानमंत्री जी हम आभारी हैं कि आप हमारे बीच आए। मेरी ऑन दी जॉब लर्निंग अब शुरू हो गई है और 2024 तक मैं देश की सबसे अच्छी जर्नलिस्ट होने की कोशिश करूंगी। उम्मीद करती हूं कि तब आपसे एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू करने का मौका मुझे मिलेगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ये शब्द हैं भारत की पहली एआई बॉट एंकर सना के। आर्टिफिशनल इंटेलिजेंस के मीडिया जगत में बढ़ते इस्तेमाल की कई संभावनाएं हैं। इसी में से एक है कि आने वाले समय में देश के प्रधानमंत्री एक एआई एंकर से देश के भविष्य और योजनाओं के बारे में चर्चा करते दिखें। दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के टेक्स्ट टू स्पीच फीचर की बदौलत अब भारतीय न्यूजरूम में मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जा रही हैं।

पिछले साल अप्रैल के महीने में इंडिया टुडे ग्रुप ने एआई एंकर से समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया था। लॉन्च कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एंकर का परिचय देते हुए कहा गया था कि वह ब्राइट है, सुंदर है, उम्र का उन पर कोई असर नहीं होता है और न ही कोई थकान होती है, वो बहुत सारी भाषाओं में बात कर सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी दुनिया को फिर से परिभाषित करने, मानवीय क्षमता की सीमाओं को पार करने और अभूतपूर्व पैमाने पर उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देने के लिए तैयार है। मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में, एआई का आगमन कंटेंट क्रिएटर्स को सामग्री निर्माण के लिए शक्तिशाली उपकरणों से सशक्त बना रहा है, नए अनुभवों को अनलॉक कर रहा है और कलात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का उपभोग करने, बनाने और उनसे जुड़ने के तरीके को हमेशा के लिए बदल रहा है। हाल के कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है और पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह रहा है। मौजूदा समय में भारत की मेनस्ट्रीम मीडिया का बड़ा हिस्सा विज्ञापन पर निर्भर होकर काम कर रहा है। ऐसे में तकनीक के जरिये डेटा के आधार पर समाचार बुलेटिन प्रस्तुत करना और अन्य काम भी इंसान की जगह मशीन की बदौलत होने ने मीडिया इंडस्ट्री के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पत्रकारिता के भविष्य से लेकर पत्रकारिता करने वालों के भविष्य को लेकर भी संकट खड़ा होने की बात कही जा रही है। लेकिन एआई पत्रकारिता वास्तव में क्या है? क्या यह चिंता का एक विषय है या फिर सूचना जगत में एक ऐसी नई क्रांति है, जो पत्रकारिता के सही आयाम स्थापित करने में कामयाब हो पाएगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के लगभग सभी पहलूओं समेत पत्रकारिता में भी शामिल हो गई है। डिजिटल मीडिया की वजह से जाने-अनजाने में ही एआई तकनीक पर आधारित कंटेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे वह यू-ट्यूब के एल्गोदिरम की वजह से आपको दिखते वीडियो हों या वेबसाइट पर दिखने वाले विज्ञापन। सभी का एक कारण एआई तकनीक ही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से एआई पत्रकारिता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। मीडिया कंपनियां अपने कंटेंट को अधिक बूस्ट करने के लिए एआई की मदद ले रही हैं। लेख लिखने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में एआई का सहारा लिया जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े मीडिया हाउस एआई द्वारा लिखे लेख को प्रकाशित कर रहे हैं। एक तरफ तो यह काम को आसान और तेजी से कर रहा है, दूसरी ओर यह कई सवाल भी खड़े करता है जिसमें विश्वसनीयता और अखंडता सबसे पहले है। साथ ही क्या सजृनशीलता पर आधारित क्षेत्र में एआई से डेटा आधारित बातचीत और जानकारी, पत्रकारिता के धरातल पर काम कर पाएगी? पत्रकारिता के सबसे मजबूत और शुरुआती मूल्य ग्राउंड रिपोर्टिंग का भविष्य इससे बच पाएगा? इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल होने का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। न्यूज़जीपीटी, दुनिया का पहला समाचार चैनल है, जिसका पूरा कंटेंट आर्टिफिशल इंटेलिजेंस द्वारा तैयार किया जा रहा है। चैनल के प्रमुख एलन लैवी ने इसे खबरों की दुनिया का गेम चेंजर कहा था, क्योंकि ना इसमें कोई रिपोर्टर है और ना ही यह किसी से प्रभावित है। यहां यही बात मीडिया जगत में काम करने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा है। जैसे-जैसे मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहां मौजूदा लोगों की नौकरियों पर तकनीक का कब्जा होने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। लेखन, संपादन, एंकरिंग, प्रस्तुतीकरण तक के सारे कामों में एआई का सहारा लिया जा रहा है। बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या मे %एमएसएन% वेबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हेडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचलित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। खबर के अनुसार कंपनी ने एआई तकनीक के सहारे खबरों के प्रोडक्शन के कामों को पूरा करना तय किया। माइक्रोसॉफ्ट जैसी अन्य टेक कंपनियां मीडिया संस्थानों को उनका कंटेंट इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करती हैं। इन सब कामों के लिए पेशेवर पत्रकारों की मदद ली जाती आई है, जो कहानियां तय करने, उनका प्रकाशन कैसे होना है, हेडलाइन तय करने जैसे काम करते हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट के एआई तकनीक के इस्तेमाल के बाद से लगभग 50 न्यूज प्रोड्यूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। ठीक इसी तरह साल 2022 के अंत में अमेरिकी टेक्नोलॉजी न्यूज वेबसाइट %सीएनईटी% एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए चीजें अलग ही स्तर पर ले गई। कंपनी ने एआई प्रोग्राम के तहत लिखे गए दर्जनों फीचर लेख चुपचाप तरीके से प्रकाशित किए। जनवरी 2023 तक कंपनी ने इन सब अटकलों की पुष्टि नहीं की थी, जिसे केवल एक प्रयोग बताया जा रहा था। इतना ही नहीं एसोसिएटेड प्रेस ने भी अपनी कहानियों के लिए एआई का इस्तेमाल किया। ये सब बातें बताती हैं कि कैसे समाचारों को चुनने, उनको व्यवस्थित करने के लिए काम करने वाले मीडिया के पेशेवरों की नौकरियां एआई ले रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने शुरुआती दौर में है, लेकिन अभी से न्यूजरूम के भीतर उसकी मौजूदगी से मीडिया पेशवरों की नौकरियों पर संकट बनना शुरू हो चुका है। डायच वेले के अनुसार हाल ही में यूरोप के सबसे बड़े पब्लिकेशन हाउस %एक्सल स्प्रिंगर% ने कई संपादकीय नौकरियों को एआई में बदल दिया है। स्प्रिंगर में नौकरियों की कटौती से मीडिया उद्योग के रोबोट पर निर्भरता की आशंकाओं में तेजी ला दी है। भारत समेत कई अन?य देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कम्प्यूटर जनित मॉडल यानी एआई एंकर समाचार पढ़ते नज़र आ रहे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये न्यूज एंकर कॉर्पोरेट मीडिया हाउस के मुनाफे वाले दृष्टिकोण से हितैषी हैं, क्योंकि इन्हें न कोई सैलरी की आवश्यकता है, ना छुट्टी की। ये 24 घंटे और सातों दिन डेटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली एआई न्यूज एंकर सना के लॉन्च के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है। द गार्डियन के अनुसार साल 2018 में चीन की न्यूज एजेंसी %शिन्हुआ% पहला एआई न्यूज एंकर दुनिया के सामने लाई। इस एजेंसी के किउ हाओ पहले एआई एंकर हैं, जिसने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। शिन्हुआ और चीनी सर्च इंजन सोगो द्वारा यह एआई एंकर विकसित किया गया है। प्रकाशकों ने चीन के वार्षिक वर्ल्ड इंटरनेट कॉन्फ्रेंस के क्रार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की थी। इसी से जुड़ी दूसरी के अनुसार पिछले वर्ष चीन ने एआई महिला न्यूज़ एंकर रेन जियाओरॉन्ग को लॉन्च किया। चीन सरकार केंद्रित पीपल्स डेली अखबार ने दावा किया है कि इस एआई न्यूज एंकर ने हजारों न्यूज एंकर्स से स्किल सीखे हैं और वह 365 दिन 24 घंटे लगातार खबरें बता सकती है। चीन के अलावा कुवैत भी अपना एआई न्यूज एंकर लॉन्च कर चुका है। हाल ही में %न्यूज 18% के पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रीय चैनल की तरफ से भी एआई एंकर के बारे में बात की गई। इस एंकर का नाम एआई कौर है। हाल ही में रूस के स्वोए टीवी ने स्नेज़ना तुमानोवा को पहले वर्चुअल मौसम की खबर प्रस्तुत करने वाले के रूप में पेश किया। इस तरह से दुनिया के अलग-अलग मीडिया संस्थानों की ओर से एआई तकनीक के न्यूज एंकर को लॉन्च किया जा रहा है। एक के बाद एक एआई न्यूज एंकर के लॉन्च को मीडिया की नई क्रांति और बदलाव बताया जा रहा है। अब यह देखना होगा कि सूचना के क्षेत्र में एआई समावेशिता, विश्वसनीयता स्थापित कर पाती है या नहीं।

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

ललित गर्ग ।

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्तातनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम

से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रही है? राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके।

पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता तो प्रदूषण को कम करने की दिशा में हम कुछ कदम बढ़े होते। वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रासायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्रोत हैं।

प्रेमी के सामने पत्नी को चाकू से गोदकर मार डाला

एक साल से चल रहा था अफेयर, पड़ोसी के साथ रह रही थी

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक युवक ने अपनी पत्नी को चाकू से गोदकर मार डाला। पड़ोसी से अफेयर और जमीन विवाद के चलते आरोपी पति गुस्से में था। हत्या के बाद आरोपी वहां से भाग निकला।

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की और आरोपी पति को ग्रामीणों की मदद से पकड़ लिया। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है।

एक साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग: जानकारी के मुताबिक, गिरारी गांव निवासी जमील खान (37) का उसके पड़ोसी अशोक सेन के साथ जमीन को लेकर विवाद है। जमील ने पुलिस को बताया कि, उसकी पत्नीजुबैदा (35) का करीब एक साल से अशोक सेन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसने कई बार पत्नीको अशोक से दूर रहने की हिदायत भी दी थी।

प्रेमी के साथ रहने पर अड़ी थी जुबैदा: आरोपी ने बताया कि, समझाने के बाद भी जुबैदा मान नहीं रही थी। इसे लेकर दोनों के बीच 18 जुलाई को फिर विवाद हुआ। इस पर जुबैदा ने डायल-112 को कॉल कर दिया। अगले दिन पुलिस ने दोनों को थाने बुलाया। वहां पुलिस के सामने ही जुबैदा ने अशोक के साथ रहने की बात कही।

पुलिस ने भेजा प्रेमी के साथ रहने: पुलिस ने दोनों पति-पत्नी दोनों को समझाया, लेकिन जुबैदा अपने प्रेमी अशोक सेन के साथ रहने पर अड़ी रही। ऐसे में पुलिस ने जुबैदा को उसके प्रेमी के साथ रहने के लिए भेज दिया। पत्नी के फैसले से जमील भड़क गया। वह रविवार रात करीब 8 बजे चाकू लेकर अशोक सेन के घर पहुंच गया।

किचन में खाना बनाते समय मारा चाकू: उस दौरान अशोक अपनी दुकान में था। जबकि जुबैदा किचन में खाना बना रही थी। उसे देखते ही जमील ने किचन में रखा चाकू उठाया और जुबैदा पर वार करने लगा। शोर सुनकर अशोक पहुंच गया, लेकिन जमील का गुस्सा देख बचाने की हिम्मत नहीं कर सका। हत्या के बाद जमील वहां से भाग गया।

पत्नी को मारकर जंगल में छिप गया था आरोपी: डएसपी निकिता तिवारी ने बताया कि आरोपी ने जिस वक्त वारदात को अंजाम दिया, उस समय अशोक सेन घर के बाहर अपने दुकान में था। पत्नी को मारने के बाद आरोपी नवागांव के जंगल में छिप गया था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

कोर्ट ने आरोपी पति को भेजा जेल: डएसपी निकिता तिवारी ने बताया कि पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू को जब्त कर लिया है।

आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

छ.ग. राज्य महिला आयोग द्वारा विभिन्न प्रकरणों की 25 को बैकुंठपुर में की जाएगी सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित जिला-कोरिया, जिला.सूरजपुर एवं जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई एक साथ आयोग की गठित न्यायपीठ के द्वारा किया जाना है जिसमें मान.अध्यक्ष डॉ.किरणमयी नायक एवं माननीय सदस्यों द्वारा 25 जुलाई 2024 को स्थान कलेक्टर कार्यालय बैकुंठपुर जिला कोरिया में समय प्रातः 11:00 पूर्वान्ह किया जाना है। सुनवाई में कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और अन्य सहित कई जिलों से महिलाओं के अधिकारों और शिकायतों से संबंधित मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। सुनवाई के लिए 37 प्रकरणों का चिन्हांकन किया गया है। जिसमें मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 12 प्रकरण शामिल हैं।

धोखाधड़ी के प्रकरण में आवेदिका रश्मि हथगेन पति प्रकाश हथगेन, उषा पति संजय निवासी मौहरपारा, तुलसी पति बलराम समुंदे मनेंद्रगढ़, आरती पति विकेश चौहान निवासी सिंह दफाई छोटा बाजार अनावेदक चन्दन बिरहा पिता सुक्खु निवासी मोहन कालोनी चिरमिरी, हत्या के प्रकरण में प्रभावती जायसवाल छोटा बाजार चिरमिरी, अनावेदक डॉ. राजेंद्र नारायण परीदा अम्बिकापुर, दहेज प्रताड़ना के प्रकरण में रूपा पत्नि निरज नौरेगा निवासी झगराखाड़, अनावेदक निरज नौरेगा पिता स्व. पूनव नौरेगा लक्ष्मी परिषर फेस.2 पोस्ट त्रिलंगा भोपाल, घरेलु हिंसा के प्रकरण में उर्मिला पति श्यामबहादुर सिंह निवासी मुर्किल भरतपुर, अनावेदक श्यामबहादुर पिता रामचरण सिंह निवासी निवासी मुर्किल थाना कोटाडोल, विविध प्रकरण में कविता कश्यप निवासी दीपमाला करमंडी चिरमिरी, अनावेदक होरीलाल पैकरा दोंदे खुर्द रायुपर, बलराम राही पिता खीकराम राही निवासी तुस्मा नहरपारा शिवरीनाराण जिला जांजगीर-चांपा, बलात्कार के प्रकरण में बरखा पति अनिल बछोर निवासी बस स्टैण्ड के पास मनेंद्रगढ़, अनावेदक सावित्री, कल्लू, चंदन कुमार निवासी बस स्टैण्ड के पास मनेंद्रगढ। इसी प्रकार मानसिक प्रताड़ना के 6 प्रकरण में आवेदिका गिरीजा कुंवर पति स्व. छोटेलाल निवासी दलगंज दफाई चिरमिरी, अनावेदक आदेश कुमार पिता स्व राजू बैरिहा निवासी आमानाला हल्दीबाड़ी जिला एमसीबी, रीता मिंज निवासी चनवारीडांड़ जिला एमसीबी, अनावेकद मुकेश कुमार जायसवाल, अवधेश निवासी बरौट पोस्ट मरवाही जिला जीपीएम, प्रीति खेस निवासी हल्दीबाड़ी, अनावेदक भुवन लाल सिंह, राकेश सिंह बैकुण्ठपुर जिला कोरिया, दुर्गा कुलदीप निवासी जी.एम.काम्पलेक्स पोंड़ी चिरमिरी, अनावेदक इम्तियान खान पिता सलीम खान तथा पुलिस थाना प्रभारी पोंडी चिरमिरी जिला एमसीबी, रूखार खान निवासी विनय होटल के पीछे वार्ड नम्बर 9 जिला एमसीबी, अनावेदक शाहरूख खान पिता हसन खान निवासी कानाखेड़ी पोस्ट डूडल चरथावल खान हाउस जलालाबाद मुजफ्फरनगर जिला उत्तर प्रदेश तथा सफिना खातून पति रईस अहमद निवासी मौहारपारा जिला एमसीबी, अनावेदक आरजू खान पिता शाह आलम, शाह आलम पिता मिशरूद्दीन, आलिया खातूम पिता शाह आलम, छोटू पिता शाह आलम, राम प्रसाद खान, दुलारे सभी निवासी घुरूवा थाना मझिगांव जिला गढ़वा झारखण्ड़, इरशाद खान निवासी बाकि मोंगरा जिला कोरबा, छोटे एवं बड़े पिता मुसवा निवासी वार्ड न. 14 रायपुर अभय मिश्रा निवसी नागपुर जिला एमसीबी, बच्चन लाल ठाकुर तथा फरीदा खान पत्नि हाजी गुलाम सरबर निवासी वार्ड क्र.01 रेल्वे कॉलोनी मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी, अनावेदक हाजी गुलाम, मो. सरफराज, मो. अता अशरफ निवासी वार्ड क्र.01 रेल्वे कॉलोनी मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी को प्रकरण के सुनवाई के लिए बुलाया गया है।

प्रकरणों के सुवाई के दौरान उपस्थित लोगों को सामाजिक दूरी के दिशा.निर्देशों का पालन करना होगा, एक दूसरे से 6 फीट की दूरी बनाए रखनी होगी। तथा मास्क पहनना अनिवार्य है, और उचित स्वच्छता उपायों को लागू किया जाएगा।

उपस्थित लोगों से अनुरोध है कि वे अपने मामले से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य साथ लेकर उपस्थित होवें।

पिकअप पलटने से 8 घायल, 4 गंभीर

शादी समारोह से लौट रहे थे, नशे में धुत था चालक, बहाना बनाकर हुआ फरार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पिकअप पलटने से 8 लोग घायल हो गए है। इसमें चार लोगों को अधिक चोट आयी हैं। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह हादसा धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, हादसा रात करीब 10 बजे हुआ हैं। पिकअप सवार सभी लोग रैरूमा से सिथरा शादी समारोह में शामिल होने गए हुए थे। तभी वापसी के दौरान सिसरिंगा के पास अनियंत्रित होकर पिकअप पलट गई। हादसे के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

फरार हुआ आरोपी चालक: सिसरिंगा के पास पिकअप पलटने के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। तब चालक कमलेश यादव अस्पताल जाने की बात कह कर वहां से निकला और फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह शराब के नशे में धुत था।

पिकअप में महिलाएं अधिक सवार: बता दें कि रैरूमा से सिथरा पिकअप में सवार होकर गए उसमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। चार महिलाओं को अधिक चोट आयी है। सभी एक ही गांव में आसपास रहने वाले थे। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है।

बालगृह से दो नाबालिग बालक फरार

शौचालय की दीवार कूद कर भागे, कुछ घंटे पहले महिला बाल विकास अधिकारी ने किया था निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा जिले के शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह से सोमवार सुबह दो नाबालिक बालक फरार हो गए। बालगृह का संचालन कुक और हाउस कीपर के भरोसे हैं। कटघोरा और पाली थाना क्षेत्र में अनाचार की घटना के मामले में पुलिस ने दो नाबालिक बालक के खिलाफ प्रावधानिक कार्रवाई की थी। सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस बाल गृह में लगे सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच शुरू की। खास तो यह है कि रविवार रात में ही महिला और बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश निरीक्षण के लिए बाल संप्रेक्षण गृह पहुंची थी। उन्होंने बालकों से चर्चा के बाद सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश जारी किए थे। उनके निरीक्षक को महज कुछ ही घंटे बीते थे कि बालक भाग कर व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी।

अनाचार मामले में दो नाबालिक बालक को बाल संप्रेषण गृह भेजा गया था: जानकारी के मुताबिक, दोनों नाबालिक बालक को सिविल लाइन थाना अंतर्गत रिसदी चौक बाल संप्रेषण गृह में भेजा गया था। रोजाना की तरह रात में भोजन बाद बालगृह को बंद कर दिया गया था। दोनों बालक भी अन्य अपचारी बालकों की तरह अपने बेड में सोने चले गए।

शौचालय की दीवार के सहारे कूद कर फरार: सोमवार सुबह उनकी नींद खुली और वे शौच के बहाने बाल संप्रेक्षण गृह के पीछे हिस्से में पहुंचे। इसके बाद शौचालय की दीवार के सहारे कूद कर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि घटना के कुछ ही देर पहले सुरक्षा में तैनात नगर सैनिक संतोष केवट राउंड के बाद मुख्य द्वार में बैठा था।

कमरे में नहीं पहुंचे तो फरार होने की लगी जानकारी: वहीं अपचारी बालक के फरार होने की जानकारी तब लगी जब वह काफी देर तक कमरे में नहीं पहुंचे। यह खबर फैलते ही हड़कप मच गया और इसकी सूचना बालक के परिजनों को दी गई और बालक के घर पहुंचने पर तत्काल अवगत कराने को कहा गया।

बालगृह में 4 कर्मचारी ही कार्यरत: बता दें कि बाल संप्रेक्षण गृह के संचालन के लिए 16 अधिकारी कर्मचारी का सेटअप तैयार है लेकिन 4 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। बाल संप्रेक्षण गृह का संचालन कुक और हाउस कीपर के भरोसे चल रहा है। उन पर ही विभाग पूरी तरह निर्भर है, जिसका सीधा असर व्यवस्था पर पड़ रहा है।

खारून नदी में डूबा 14 साल का नाबालिग

सुबह से एसडीआरएफ की टीम कर रही तलाश, दोस्तो के साथ घूमने गया था सनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। प्रदेश में लगातार तेज बारिश होने के कारण नदी नाल उफान पर है। रायपुर के सात पखार एनीकेट में 14 साल का बच्चा पानी में गिर गया। भाठागांव से अपने दोस्तों के सनी नेताम घूमने निकला था। तभी पानी बच्चे का पैर फिसलने के कारण वह खारुन नदी में गिर गया और तेज बहाव में बहने लगा।

मिली जानकारी के बच्चा रविवार को सुबह 12 बजे नदी के तेज बहाव में बह गया है, वही पुलिस को इस बात की जानकारी शाम की मिली। स्छरापरिवार की टीम सोमवार सुबह से ही बच्चे की तलाश कर रही है लेकिन अभी तक बच्चे का पता नहीं चल सका है। पिछले साल भी यहां युवकों के डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं। हादसा मुजगहन थाना क्षेत्र में हुआ है।

तेज बहाव के कारण परेशानी: मुजगहन थाना पुलिस ने बताया कि सनी नेताम अपने दोस्तों के साथ एनिकेट आया था। पिछले 24 घंटे से उसका कोई पता नही चल पाया है। पुलिस की टीम भी मौके पर है एसडीआरएफ की टीम के साथ खोता खोर बच्चे का पता लगा रहे है। लेकिन अब तक उसका पता नही चल पाया हैं। तेज बहाव और शाम होने के कारण रेस्क्यू रोक दिया गया है । इसके बाद कल सुबह से फिर तलाश शुरू की जाएगी।

खारुन नदी में बढ़ा जल स्तर: पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश से खारून नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान नदी में जल स्तर 8 से 10 फिट बढ़ गया है लगातार जल स्तर बढ़ते ही जा रहा है। तेज बहाव के कारण पानी में गंदगी और जलकुंभी की मात्रा भी अधिक है।

पहले भी हो चुका है हादसा: साल 2022 में सात पखार एनिकेट घूमने टीनएजर्स का ग्रुप गया था। सभी दोस्त वहां नहा रहे थे तभी 2 दोस्तों के डूब गए । लंबे रेस्क्यू के बाद स्छरापरिवार की टीम को दोनों नाबालिग की लाश मिली थी। हर साल खारुन नदी में पानी में डूबने की घटनाएं होती है। इसमें लोगों की लापरवाही भी सामने आती रही है।

कंबल में लिपटी नहर में मिली लाश

आत्मानंद स्कूल के पीछे खून से लथपथ था शव, हत्या कर फेंकने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली एजेंसी। मुंगेली जिले के लोरमी इलाके एक व्यक्ति की खून से सनी लाश कंबल में लिपटी हुई नहर में मिली है। सूचना मिलते ही लोरमी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड की मदद से मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस शव की पहचान कर रही है। मामला लोरमी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, लोरमी थाना क्षेत्र के मुख्य नहर में आत्मानंद स्कूल के पीछे के हिस्से में सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। पुलिस ने युवक की हत्या की आशंका जताई है। पुलिसा का कहना है कि पहले नहर किनारे सड़क पर ही युवक की हत्या की गई होगी। इसके बाद सबूत छुपाने की नीयत से घसीटकर नहर में फेंककर आरोपी फरार हो गए हैं।

सड़क पर मिले खून के छींटे: बताया जा रहा है कि घटना स्थल लोरमी-लाखासार मार्ग में सड़क पर खून के निशान मिले हैं। जिले के एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने बताया कि लोरमी नहर में अज्ञात युवक की लाश मिली है। घटना स्थल पर मिले सबूतों से लगता है कि दो-तीन लोगों ने युवक की हत्या की है। सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड वीडियो खंगाला जा रहा है। फरार आरोपियों की पहचान के लिए छानबीन की जा रही है।

सवालों के घेरे में लोरमी पुलिस: लोरमी इलाके में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोरमी इलाके में लगातार वीआइपी मूवमेंट होता रहता है। गृहक्षेत्र होने की वजह से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के अलावा प्रदेश के डिप्टी सीएम का भी दौरा होता है।

इन सबके अलावा आगामी 2 अगस्त से शिवमहापुराण कार्यक्रम में कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा भी आने वाले हैं। इसमें लाखों की संख्या में भीड़ जुटेगी। ऐसे में लोरमी इलाके में सरेआम संदिग्ध अवस्था में लाश का मिलना सवाल खड़े हो रहे हैं।

युवक को मारा चाकू, अंतड़ियां आ गई बाहर

आपसी विवाद में हथियार से फाड़ दिया पेट, वारदात से तनावपूर्ण बना माहौल

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में में रविवार शाम एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ है। आरोपी ने धारदार चाकूनुमा हथियार से उसका पेट फाड़ दिया। इससे उसकी अंतड़ियां ही बाहर आ गईं। युवक का इलाज जिला अस्पताल दुर्ग में चल रहा है। पूरा मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र के खुर्सीपार का है। रविवार देर शाम लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में एक युवक घायल अवस्था में पहुंचा था। उसे खुर्सीपार पुलिस लेकर पहुंची थी। पूछने पर पता चला कि युवक पर जनलेवा हमला हुआ है। वो देवार पारा का रहने वाला है। उसका नाम उदय देवार पिता बाबा देवार है।

युवक की अंतड़ियों को पेट के अंदर डाला गया: सुपेला अस्पताल में युवक की अंतड़ियों को पेट के अंदर दोबारा डाला गया और टांका लगाया गया। इसके बाद उसकी बिगड़ती हालत को देखकर उसे तुरंत दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां उसका इलाज किया जा रहा है। वहीं खुर्सीपार पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। घायल ने आरोपी का नाम भी बताया है, लेकिन परिजन अभी किसी पर भी शक नहीं जता रहे हैं। उनका कहना है कि उनके बेटे का किसी के साथ कोई झगड़ा भी नहीं था।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पकड़ने के लिए खुर्सीपार पुलिस घटना स्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। खबर लिखे जाने तक आरोपी का पता नहीं चल पाया है।

3 लाख परिवारों को नहीं मिला पेयजल

खारुन नदी का कचरा-जलकुंभी फिल्टर प्लांट तक पहुंचा, राजनांदगांव में भी यही हाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में सोमवार सुबह 3 लाख से अधिक आबादी को पेयजल की सप्लाई नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि फिल्टर प्लांट तक नदी का पानी सीधे पहुंच गया था। इसका कारण प्लांट के इंटेक वेल की पाइप लाइन में बारिश से कचरा और जलकुंभी जमा हो गई है।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि, रविवार रात पानी की टंकियां नहीं भर पाई थीं। इसकी वजह से ऐसी स्थिति बनी है। हालांकि निगम की टीम लगातार जलकुंभी हटाने का काम कर रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि मेयर न गर्मी में पानी दे पा रहे हैं, न बारिश में।

वहीं राजनांदगांव में भी ऐसा ही हाल रहा। लगातार बारिश के बाद मोहारा स्थित फिल्टर प्लांट के इंटकवेल में कचरा फंस गया। जिससे रविवार शाम और सोमवार सुबह शहर के कई हिस्सों में जल आपूर्ति नहीं हुई।

इसलिए प्रभावित हुई जल आपूर्ति: फिल्टर प्लांट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नरसिंह ने बताया कि, रविवार शाम खारुन नदी में जलस्तर बढ़ गया। इस कारण पानी में लगातार गंदगी, कचरा और जलकुंभी आ रही है। जो इंटकवेल मशीन पानी खिंचती है, वो हाई पावर की है। इसलिए पंप में लगातार कचरा जमा हो रहा है। हमारे पास गोताखोरों की टीम है, जो लगातार कचरा साफ करने का काम कर रही है। रविवार रात होने के कारण सफाई नहीं हो पाई थी।

कल तक स्थिति सामान्य होने की उम्मीद: अधिकारी ने बताया कि, अभी लगातार सफाई का काम जारी है। शाम को 80% पानी की टंकियों में हम पानी भर देंगे। जिससे जलापूर्ति सामान्य रहेगी, लेकिन अभी भी थोड़ी देर पंप चलाने के बाद कचरा आ रहा है। हो सकता है बाकी दिन के मुकाबले पानी का सप्लाई कम हो।

भाजपा बोली- नदी भी साफ नहीं पा रहा निगम: रायपुर के भाजपा पार्षद दल के प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे ने कहा कि, नगर निगम और जल विभाग नदियों की सफाई तक नहीं कर पा रहा है। जबकि अभी न नदी में बाढ़ आई है और न ही इतनी बारिश हो रही है। मेयर इसे भी संभाल नहीं पा रहे हैं। न वह गर्मी में पेयजल दे पाए और न बरसात में दे पा रहे हैं।

शिवनाथ तट के गांवों में अलर्ट: राजनांदगांव में मोंगरा बैराज से छोड़े जा रहे पानी को देखते हुए शिवनाथ तट के आसपास के गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। शिवनाथ में बने सभी एनीकट डूब चुके हैं। शिवनाथ का जल स्तर बढ़ने से फिल्टर प्लांट का एक हिस्सा डूब गया है। प्लांट के इंटकवेल में नदी के साथ बहकर आया कचरा फंस गया है।

इंटकवेल में कचरा फंसने से राजनांदगांव में भी पानी सप्लाई प्रभावित हुई है। रविवार सुबह से ही सफाई का काम जारी था, लेकिन लगातार जलस्तर बढ़ने से और तेज बहाव के कारण काम भी प्रभावित हो रहा है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि 27 एमएलडी के फिल्टर प्लांट में काम रुक गया है।

संशोधित निविदा आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के समस्त लेखन एवं उससे संबंधित सभी सामग्रीयां क्रय करने हेतु निर्धारित शर्तो के अन्तर्गत मोहरबंद अथवा सेलो टेप से बंद की गई निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र, विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से कार्यालय कलेक्टर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के वेबसाइट पर निविदा फॉर्म एवं शर्तों की प्रति प्राप्त किये जा सकते हैं। निर्धारित तिथि के अवकाश होने की स्थिति में आगामी कार्य दिवस को माना जायेगा।

निविदा की अंतिम तिथि 06 अगस्त 2024 तक प्रातः 11:00 बजे तक, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 06 अगस्त 2024 11:00 बजे तक तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय 06 अगस्त 2024 प्रातः 12:00 बजे नियत किया गया है।

पाकिस्तानी सिंगर राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट पर किया गया गिरफ्तार

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तानी सिंगर राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, राहत फतेह अली खान के खिलाफ उनके पूर्व मैनेजर और मशहूर शोबिज प्रमोटर सलमान अहमद ने दुबई में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। फिलहाल दुबई पुलिस राहत से पूछताछ कर रही हैं। राहत अपने सिंगिंग शोज के लिए लाहौर से दुबई पहुंचे थे।

राहत ने जारी किया वीडियो: गिरफ्तारी की खबर के बीच राहत फतेह अली खान ने वीडियो जारी कर अपनी गिरफ्तारी की बात को नकारा है। हालांकि, ऐसा उन्होंने सीधे तौर पर नहीं कहा। उन्होंने गिरफ्तारी की बात को नजरअंदाज करते हुए कहा कि मैं दुबई में अपने गाने रिकॉर्ड करने के लिए आया हुआ हूं, और सब ठीक है। मैं यही आपसे गुजारिश करूंगा कि ऐसी घटिया अफवाहों पर ध्यान ना दें। ऐसा कुछ भी नहीं है जैसा दुश्मन सोच रहे हैं। मैं जल्द ही अपने वतन लौटूंगा और आपको नए गाने से सरप्राइज करूंगा।

बता दें कि, राहत ने कुछ महीने पहले विवाद के बाद अहमद को बर्खास्त कर दिया था। इसके अलावा सामने आया है कि राहत और अहमद दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामले दर्ज कराए हैं। राहत ने भारत में खूब नाम कमाया है। बॉलीवुड में उनके ऐसे कई गाने हैं, जो लोगों के बीच आज भी काफी मशहूर हैं।

इजराइल के एक और फरमान ने गाजा में मचाया कोहराम

दीर अल-बलाह (एजेंसी)। इजराइली सेना ने लोगों से गाजा पट्टी में उस हिस्से को खाली करने का आदेश दिया है जिसे उसने मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। सेना ने सोमवार को कहा कि वह हमास के आतंकवादियों के खिलाफ एक अभियान शुरू करने की योजना बना रही है, जो इस क्षेत्र में छिपे हुए हैं। सेना के मुताबिक इस क्षेत्र का इस्तेमाल इजराइल की ओर रॉकेट छोड़ने के लिए किया गया है। इस इलाके में मुवासी मानवीय क्षेत्र का पूर्वी हिस्सा शामिल है जो दक्षिणी गाजा पट्टी पर स्थित है। इजराइली सेना की तरफ से इस तरह का आदेश संघर्ष विराम की मांग को लेकर हो रही नाजुक वार्ता के दौरान दिया गया है।

मानवीय क्षेत्र में हैं 18 लाख फलस्तीनी : बता दें कि, इस महीने की शुरुआत में, इजराइल ने कहा था कि उसका अनुमान है कि कम से कम 18 लाख फलस्तीनी अब मानवीय क्षेत्र में हैं। उसने भूमध्य सागर के साथ लगते लगभग 14 किलोमीटर (8.6 मील) की दूरी के हिस्से को मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवीय समूहों का कहना है कि इस क्षेत्र का ज्यादातर इलाका अब अस्थायी शिविरों से घिरा हुआ है जहां साफ-सफाई तथा चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है।

वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि 6.5-7.0 प्रतिशत के दायरे में रहेगी: आर्थिक सर्वे

नयी दिल्ली(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वेक्षण लोक सभा के सदन पटल पर रखा, जिसमें वर्ष 2024-25 के लिये भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5-7.0 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है। वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अनुमानित 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि सरकार द्वारा निरंतर मजबूत आर्थिक सुधारों से देश की आर्थिक वृद्धि की संभावनायें मजबूत हुयी हैं। श्रीमती सीतारमण मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे लोक सभा में वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट प्रस्तुत करेंगी, जिसमें अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ रोजगार संवर्धन की योजनाओं और कार्यक्रमों पर विशेष बल दिये जाने की उम्मीद की जा रही है। वित्त मंत्री ने आम चुनाव से पहले फरवरी में अंतरिम बजट प्रस्तुत किया था।

पेपर लीक मामला महत्वपूर्ण विषय है, इस पर सार्थक चर्चा होनी चाहिये-बिरला

नयी दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) पेपर लीक मामला बहुत महत्वपूर्ण है और इस पर सार्थक चर्चा होनी चाहिये। श्री बिरला ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में कई बार परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुये हैं। भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृति न हों, इस पर गंभीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। इस मामले में आये उत्तम सुझावों को सरकार विचार करेगी। उन्होंने कहा कि देश की सभी परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाना उचित नहीं है, इससे भारत की छवि पर विश्वव्यापी असर पड़ेगा। आरोप-प्रत्यारोप से मसले का हल नहीं निकलेगा। ऐसे सुझाव आने चाहिये, जो सारे सदन को मान्य हों।

अगले पांच साल की दशा तथा दिशा तय करेगा बजट : मोदी

नयी दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले छह दशक में लगातार एक सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने को लोकतंत्र की गौरवमय यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया और कहा कि उनकी सरकार जो बजट पेश करने जा रही है वह अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह अगले पांच साल के लिए देश की दशा तथा दिशा तय करेगा। श्री मोदी ने सोमवार को संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, ये बजट अमृतकाल का एक महत्वपूर्ण बजट है। हमें पांच साल का जो अवसर मिला है, आज का बजट हमारे उन पांच साल के कार्य की दिशा भी तय करेगा और 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे, तब विकसित भारत का जो सपना है, उसको पूरा करने की मजबूत नींव वाला बजट कल देश के सामने आएगा। हर देशवासी के लिए एक गर्व की बात है कि भारत बड़ी इकोनॉमी वाले देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश है। गत 3 वर्षों में लगातार 8 प्रतिशत ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, प्रगति कर रहे हैं। आज भारत में सकारात्मक आउटलुक, निवेश और प्रस्तुति एक प्रकार से अवसर के चरम पर है। ये अपने आप में भारत की विकास यात्रा का एक अहम पड़ाव है। उन्होंने तीसरी बार एक ही सरकार के गठन को लोकतंत्र के लिए गौरव का विषय बताया और कहा भारत के लोकतंत्र की जो गौरवयात्रा है, उसमें ये एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में मैं देख रहा हूं। व्यक्तिगत रूप से मुझे भी, हमारे सभी साथियों के लिए भी ये अत्यंत गर्व का विषय है कि करीब 60 साल के बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी का पहला बजट रखने का सौभाग्य प्राप्त हो, ये भारत के लोकतंत्र की गौरवयात्रा की अत्यंत गरिमापूर्ण घटना के रूप में देश इसे देख रहा है। ये बजट सत्र है। मैं देशवासियों को जो गारंटी देता रहा हूं, क्रमशः रूप से उन गारंटियों को जमीन पर उतारना इस लक्ष्य को लेकर के हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा मैं देश के सभी सांसदों से, चाहे वह किसी भी दल के क्यों न हों।

मैं आज आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि गत जनवरी से लेकर के हम लोगों के पास जितना सामर्थ्य था, इस सामर्थ्य को लेकर के जितनी लड़ाई लड़नी थी- लड़ ली, जनता को जो बात बतानी थी- बता दी। किसी ने राह दिखाने का प्रयास किया, किसी ने गुमराह करने का, लेकिन अब वो दौर समाप्त हो गया है, देशवासियों ने अपना निर्णय दे दिया है। चुने हुए सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की विशेष जिम्मेदारी है कि हमने दल के लिए जितनी लड़ाई लड़नी थी, लड़ ली, अब आने वाले 5 वर्ष के लिए हमें देश के लिए लड़ना हैं, देश के लिए जूझना हैं, एक और नेक बनकर के जूझना है। मैं सभी राजनीतिक दलों से भी कहूंगा कि आइए हम आने वाले चार, साढ़े चार साल दल से ऊपर उठकर के, सिर्फ और सिर्फ देश को समर्पित होकर के संसद के इस गरिमापूर्ण मंच का हम उपयोग करें। उन्होंने चुने हुए सदस्यों से कहा जनवरी 2029, जब चुनाव का वर्ष होगा आप उसके बाद जाइए मैदान में, सदन का भी उपयोग करना है, कर लीजिए। वो 6 महीने जो खेल, खेलने हैं- खेल लीजिए। लेकिन तब तक सिर्फ और सिर्फ देश, देश के गरीब,देश के किसान, देश के युवा,देश की महिलाएं उनके सामर्थ्य के लिए, उनको सशक्त करने के लिए जनभागीदारी का एक जनआंदोलन खड़ा कर करके 2047 के सपने को पूरा करने के लिए हम पूरी ताकत लगाएं। मुझे आज बहुत दुख के साथ कहना है कि 2014 के बाद कोई सांसद 5 साल के लिए आए, कुछ सांसदों को 10 साल के लिए मौका मिला। लेकिन बहुत से सांसद ऐसे थे, जिनको अपने क्षेत्र की बात करने का अवसर नहीं मिला, अपने विचारों से संसद को समृद्ध करने का अवसर नहीं मिला, क्योंकि कुछ दलों की नकारात्मक राजनीति ने देश के संसद के महत्वपूर्ण समय का एक प्रकार से अपनी राजनीतिक विफलताओं को ढकने के लिए दुरूपयोग किया है। मैं सभी दलों से आग्रहपूर्वक कहता हूं कि कम से कम जो पहली बार सदन में आए हैं, ऐसे बहुत बड़ी संख्या में हमारे माननीय सांसद हैं और सभी दल में हैं, उनको अवसर दीजिए, चर्चा में उनके विचारों को प्रकट करने का मौका दीजिए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे आने का अवसर दीजिए। आपने देखा होगा कि पार्लियामेंट के नए संसद गठन होने के बाद जो पहला सत्र था, 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को सेवा हुकुम दिया है उसकी आवाज कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ है। ढाई घंटे तक देश के प्रधानमंत्री का गला घोटने का, उनकी आवाज रोकने और दबाने का लोकतांत्रिक परंपराओं में कोई स्थान नहीं हो सकता है, और इन सबका पश्चाताप तक नहीं है, दिल में दर्द तक नहीं है।

लद्दाख का दौरा करेंगे प्रधानमंत्री कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ में होंगे शामिल

नईदिल्ली(एजेंसी)। 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लद्दाख का दौरा करेंगे। 1999 में पाकिस्तान पर भारत की जीत की %रजत जयंती% के उपलक्ष्य में कारगिल के द्रास में भव्य समारोह आयोजित किया जाना है। यह उत्सव 24 से 26 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी डी मिश्रा ने आज सचिवालय में एक बैठक की और द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने बैठक में 26 जुलाई को पीएम मोदी के स्मारक दौरे की जानकारी दी। आधिकारिक प्रवक्ता के मुताबिक, द्रास हेलीपैड पर पीएम मोदी के स्वागत, उनके काफिले के लिए जरूरी इंतजाम, पुष्पांजलि समारोह की प्रक्रिया पर चर्चा हुई। बैठक में युद्ध विधवाओं से बातचीत और हेलीपैड पर ग्रीन रूम की तैयारी पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने कहा कि एलजी मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने को कहा क्योंकि वह 24 जून को युद्ध स्मारक का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा 23 जुलाई को स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) की टीम लद्दाख पहुंचेगी और सेना, पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय के लिए बैठक करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा पर आईआईटी पैनल से मांगी राय, कहा-

पेपर में 2 उत्तर वाले प्रश्न की करें जांच

नईदिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आईआईटी दिल्ली को एनईईटी-यूजी परीक्षा में एक विशेष प्रश्न के सही उत्तर पर अपनी राय देने के लिए विशेषज्ञों का एक पैनल बनाने को कहा। कोर्ट ने पैनल को मंगलवार दोपहर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है> भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ 5 मई को आयोजित ह्श्वश्वञ्ज-त्र परीक्षा में कथित अनियमितताओं के संबंध में याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान 711 अंक पाने वाले एक याचिकाकर्ता के वकील ने परीक्षा में एक प्रश्न को चुनौती दी जिसमें अस्पष्ट विकल्प थे। याचिकाकर्ता के अनुसार, उक्त प्रश्न का विकल्प 4 अद्यतन एनसीईआरटी संस्करण के अनुसार सही उत्तर था। हालाँकि, विकल्प 2 चुनने वाले छात्रों को अनुग्रह अंक भी दिए गए क्योंकि यह एनसीईआरटी के पिछले संस्करणों के अनुसार सही था। याचिकाकर्ता ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि उसने नकारात्मक अंकन से बचने के लिए प्रश्न का प्रयास नहीं किया, लेकिन परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने उन 44 उम्मीदवारों को पूर्ण अंक दिए, जिन्होंने दोनों विकल्पों में से किसी एक को चुना था। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि निर्देश यह है कि नवीनतम एनसीईआरटी संस्करण के अनुसार चलें। नवीनतम एनसीईआरटी संस्करण के अनुसार विकल्प 4 सही उत्तर है। फिर विकल्प 2 का उत्तर देने वालों को पूर्ण अंक नहीं दिए जा सकते हैं। वहां, मुझे लगता है कि वे शायद कोई बात हो। मुख्य न्यायाधीश ने एनटीए की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि परीक्षण पैनल ने उन उम्मीदवारों को अंक देने का फैसला क्यों किया, जिन्होंने दोनों विकल्पों में से किसी एक को चुना था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दिया दोनों संभावित उत्तर थे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एनसीईआरटी के नए संस्करण का छात्रों को पालन करना होगा, उन्होंने कहा कि सरकार को कई गरीब छात्रों से अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है कि वे अध्ययन के लिए अपने बड़े भाई-बहनों की एनसीईआरटी पुस्तकों का उपयोग करते हैं।

कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं

दिल्ली/लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने सोमवार, 22 जुलाई को कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

पूजा खेडकर की मां 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नईदिल्ली(एजेंसी)। विवादित प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को एक किसान को धमकी देने के मामले में सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. इससे पहले दिन में, उसे मजिस्ट्रेट कोर्ट के सामने पेश किया गया था। बीते शनिवार को पुणे ग्रामीण पुलिस ने मनोरमा खेडकर के पुणे स्थित आवास से एक महंगी कार, एक लाइसेंसी पिस्तौल और तीन गोलियां जब्त कीं। अधिकारियों ने कहा कि विवादास्पद आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को भूमि विवाद को लेकर कथित तौर पर बंदूक दिखाकर कुछ लोगों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पूजा खेडकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की उम्मीदवारी में विकलांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्रों के संबंध में अपने दावों के साथ-साथ पुणे कलेक्टर कार्यालय में कार्यकाल के दौरान अपने आचरण के लिए जांच के दायरे में हैं। वहीं पुणे की एक सत्र अदालत ने विवादास्पद परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को 25 जुलाई तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। यह संरक्षण उस मामले में दिया गया है जिसमें उन पर एक भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति को पिस्तौल दिखाकर धमकाने का आरोप है।

सीबीआई केस में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 26 जुलाई तक बढ़ी

नईदिल्ली(एजेंसी)। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसौदिया और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 26 जुलाई तक बढ़ा दी। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत पहले 22 जुलाई तक बढ़ा दी गई थी। वह फरवरी, 2023 से जेल में बंद हैं। आम आदमी पार्टी नेता को 26 फरवरी, 2023 को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 2021-2022 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्होंने अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने भी एक आरोपपत्र दायर किया था और एक हफ्ते बाद सीबीआई द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने सीएम योगी के विभाग से आरक्षण का ब्यौरा मांगा

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभाग को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने नियुक्ति और कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव से आउटसोर्सिंग और संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों का ब्यौरा मांगा है। पत्र में केशव मौर्य ने उल्लेख किया है कि उन्होंने 11 अगस्त 2023 को विधान परिषद में इस मुद्दे को उठाया था और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करने की मांग की थी। हालांकि, 16 अगस्त 2023 को प्राप्त उत्तर में अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके कारण मौर्य ने फिर से पत्र लिखा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी विभागों से कर्मचारियों की सूची एकत्र करके प्रस्तुत करें, ताकि समुचित अवलोकन किया जा सके। यह पत्र विशेष रूप से भाजपा सरकार और संगठन के बीच जारी अंदरूनी खींचतान के बीच आया है। हाल ही में संगठन और सरकार के बीच मतभेद उभरकर सामने आए थे। इस संदर्भ में केशव मौर्य को दिल्ली बुलाया गया था, जहां उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस बैठक में संगठन और सरकार के बीच तनाव कम करने की दिशा में चर्चा की गई और नड्डा ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली बयानबाजी से बचने की सलाह दी थी। यूपी कार्यसमिति की बैठक में केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि 卐जो आपका दर्द है, वही मेरा भी दर्द है卐 और भाजपा में सरकार से बड़ा संगठन है।

क्रिकेट में खुलेआम भ्रष्ट्राचार, आरोपों की लंबी लिस्ट के साथ बीबीसीआई को लिखी गई चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने की थी, लेकिन अब उसके करीब एक महीने बाद ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। अमेरिका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष वेणु पिसिके और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों में कहा गया है कि उन्होंने अपनी पावर का अनैतिक तरीके से दूसरों के खिलाफ इस्तेमाल किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार यूएसए क्रिकेट के डायरेक्टर कुलजीत सिंह, अर्जुन सोना और पैट्रिशिया विटटेकर ने आईसीसी को इस संबंध में ईमेल भेजा है। दरअसल, आईसीसी को भेजे गए ईमेल में वेणु पिसिके पर आरोप हैं कि उन्होंने अन्य डायरेक्टर्स के लिए वातावरण को मुश्कल बनाने का प्रयास किया है।

साथ ही सीईओ नूर मुराद को अनैतिक तरीके से बर्खास्त भी करवाया है। ईमेल में बताए गए बिंदुओं में असंवैधानिक तरीके से की गई नियुक्तियों का भी जिक्र है, ये भी आरोप हैं कि पिसिके ने अवैध रूप से चुनावी लाभ की लालसा रखते हुए संवैधानिक संशोधन किया और भ्रष्टाचार भी किया है। ये मामला यहीं शांत नहीं हो जाता क्योंकि आईसीसी को लिखी गई चिट्ठी में डायरेक्टर और उसके अलावा छोटे पदों पर मौजूद लोगों को नौकरी से निकालने की धमकी देने का भी जिक्र है। चिट्ठी में एक स्टेटमेंट भी मौजूद है, जिसमें बताया गया है कि हम छोटे पदों पर मौजूद लोगों को घेर कर नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है।

अगर हमने उनकी बात न मानी तो हमारे खिलाफ कड़ा एक्शन लिए जाने की धमकी दी गई है। यहां तक कि साल 2023 से विटटेकर को हटाए के कई प्रयास किए जा चुके हैं। चिट्ठी में लंबे-चौड़े आरोपों की सूची में ये भी बताया गया है कि सदस्यता प्रबंधन कंपनी के चयन में भी भ्रष्टाचार किया गया है। इसके लिए केवल 3 कंपनियों को प्रस्ताव भेजा गया, जिनमें एक कंपनी का मालिक यूएसए क्रिकेट चेयरमैन वेणु पिसिके का अच्छा दोस्त है। ईमेल के अंदर एक अन्य स्टेटमेंट में जिक्र है कि चेयरमैन और उनकी टीम पूरे सिस्टम को भ्रष्ट बनाने का प्रयास कर रही है और इसका सीधा उद्देश्य निजी लाभ पाना है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 वनडे विश्व कप तक खेल सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कप 2024 की जीत के बाद से ही यह कहा जा रहा था कि शायद यह विश्व कप विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए आखिरी विश्व कप हो, हो सकता है कि दोनों अगले विश्व कप तक सन्यास की घोषणा कर दे लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उनके फैंस के लिए एक अच्छी उम्मीद दी है। नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार, 22 जुलाई को विराट कोहली और रोहित शर्मा को सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार काम जारी रखने का समर्थन करते हुए कहा कि ये दोनों दिग्गज आगे चलकर वनडे और टेस्ट का अहम हिस्सा होंगे। गंभीर ने कहा कि रोहित और कोहली चैंपियंस ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के लिए अपना सब कुछ देने के लिए प्रतिबद्ध होंगे और उन्होंने 2025 सीज़न के बाद भी जारी रखने के लिए उनके लिए दरवाजे खुले रखे हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उन्होंने दिखाया है कि वे बड़े मंच पर क्या कर सकते हैं, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 50 ओवर का विश्व कप। उन दोनों लोगों में बहुत क्रिकेट बाकी है। चैंपियंस ट्रॉफी आ रही है। गंभीर ने भारत के श्रीलंका दौरे से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया में सीरीज होने वाली है।

हार्दिक की जगह सूर्यकुमार को क्यों बनाया गया टी20 का कप्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यह साफ कर दिया है कि हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 का कप्तान क्यों बनाया गया है। एक प्रसे वार्ता में अगरकर ने बताया कि हार्दिक पंड्या की फिटनेस संबंधी चिंताओं ने चयन पैनल और टीम प्रबंधन को उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में पदोन्नत नहीं करने के लिए मजबूर किया। आपको बता दें कि हार्दिक आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सफल अभियान के दौरान टीम इंडिया के नामित उप-कप्तान थे और कैरेबियन में भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा द्वारा अपने टी20ई करियर को अलविदा कहने के बाद उन्हें अगले कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था। मुख्य चयनकर्ता ने कहा कि हार्दिक के बारे में, वह अभी भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। फिटनेस जाहिर तौर पर उनके लिए एक चुनौती रही है... फिर कोच या चयनकर्ताओं के लिए यह मुश्किल हो जाता है... फिटनेस एक स्पष्ट चुनौती है और हम ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो हमेशा उपलब्ध हो... ऐसा कहने के बाद, हमारा मानना ??है कि सूर्या एक कप्तान बनने के लिए आवश्यक गुण हैं। अगरकर ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि चयनकर्ता पहले ही पंड्या से उनकी भूमिका में बदलाव के बारे में बात कर चुके हैं

विराट कोहली के साथ रिश्तों पर बोले गौतम गंभीर, यह टीआरपी के लिये अच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम (आईसीटी) के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के बाद गौतम गंभीर ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा विराट कोहली के साथ गंभीर के रिश्तों को लेकर रही। इसका बड़ा कारण यह है कि गंभीर और कोहली अच्छे दोस्त नहीं रहे और यह आईपीएल में दोनों के बीच कई बार टकराव से स्पष्ट है। गंभीर से विराट कोहली के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया, इस पर उन्होंने कहा कि कोहली के साथ उनका बहुचर्चित रिश्ता टीआरपी के लिये नहीं बल्कि उन दोनों के बीच है और आने वाले समय में दोनों एक लक्ष्य के लिये ही काम करने वाले हैं। भारतीय कोच ने कहा कि टीआरपी के लिए अच्छा है लेकिन मेरा रिश्ता सार्वजनिक नहीं है। मैं विराट कोहली के साथ किस तरह का रिश्ता साझा करता हूं, मुझे लगता है कि यह दो परिपक्व व्यक्तियों के बीच है। उन्होंने कहा कि मैदान पर, मैंने पहले भी कई बार कहा है, हर किसी को अपनी टीम के लिए, अपनी जर्सी के लिए लड़ने का अधिकार है और विजयी ड्रेसिंग रूम में वापसी करना चाहते हैं। लेकिन फिलहाल, हम भारत और 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि हमें एकमत होना होगा और भारत को गौरवान्वित करने का प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा, मैं मैदान के बाहर (कोहली के साथ) बहुत अच्छे रिश्ते साझा करता हूं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। लेकिन हां, इसे और अधिक सार्वजनिक करने के लिए कि मैं किस तरह का रिश्ता साझा करता हूं, मुझे लगता है कि यह दो व्यक्तियों के बीच है।

इंग्लैंड की जीत से डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस दिलचस्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड ने नॉटिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 241 रनों से बेहतरीन जीत हासिल की। इसके साथ ही आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में निचले पायदान से छलांग लगा दी है। अब वह अगले साल लॉर्ड्स में फाइनल खेलने की रेस में बनी हुई है। मेजबान टीम ने चौथे दिन 3 मैचों की सीरीज पर कब्जा कर लिया। इसमें स्पिनर शोएब बशीर (5/41) ने अपने करियर में तीसरी पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई है। वहीं दूसरे टेस्ट में 385 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 143 रनों पर ही सिमट गई। जिसके बाद तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड टीम 2-0 से आगे है। बेन स्टोक्स की अगुवाई में शुक्रवार को बर्मिंघम में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में जीतकर वेस्टइंडीज का क्लीन स्वीप करने का मौका है। दूसरे टेस्ट में जीत से इंग्लैंड को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में भी बढ़त हासिल करने में मदद मिली। वह इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज को पीछे छोड़कर मौजूदा तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं भारत शानदार स्थिति में है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया पहले नंबर पर काबिज है। लगातार तीसरी बार फाइनल खेलने की संभावना प्रबल है। इंग्लैंड के मौजूदा साइकल में 12 टेस्ट मैचों में 31.25 प्रतिशत पीटीसी है। उसके अभी भी इस साल के अंत तक 10 टेस्ट मैच और बचे हुए हैं। इंग्लैंड की पीसीटी 62.5 प्रतिशत तक हो सकती है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के आखिरी टेस्ट के बाद, इंग्लैंड अगले महीने के अंत में घरेलू सरजमीं पर तीन टेस्ट के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। फिर अक्टूबर में पाकिस्तान और नवंबर और दिसंबर में न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगा, जहां उसे तीन मैचों की सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में हार के बाद वेस्टइंडीज 22.22 प्रतिशत पीसीटी के साथ तालिका में नौवें स्थान पर है। उसके अभी इंग्लैंड (1), दक्षिण अफ्रीका (2), बांग्लादेश (2) और पाकिस्तान के खिलाफ सात टेस्ट मैच खेलने हैं।

टीम इंडिया में मोहम्मद शमी की वापसी कब होगी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे से पहले टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान जब उनसे मोहम्मद शमी की वापसी को लेकर सवाल किया गया तो अजीत अगरकर ने शमी की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया। बता दें कि, शमी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही टीम से बाहर चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने घुटने की सर्जरी भी कराई थी, वह फिलहाल रिकवरी मोड पर है। अजीत अगरकर ने मोहम्मद शमी के कमबैक पर कहा कि, मोहम्मद शमी ने गेंदबाजी शुरू कर दी है जो एक अच्छा संकेत है। 19 सितंबर को पहला टेस्ट है और हमेशा यही लक्ष्य था। मुझे नहीं पता कि उसकी रिकवरी टाइमलाइन क्या है, इस बारे में एनसीए के लोगों से पूछना होगा। अभी बहुत सारे टेस्ट मैच होने हैं। हमें कुछ गहराई की आवश्यता होगी। बुमराह, शमी, सिराज कुछ समय से खेल रहे हैं, ये स्पष्ट हैं। लेकिन इसके बारे में कुछ बातचीत होगी। बहुत सारा प्रथम श्रेणी क्रिकेट आने वाला है इसलिए हम ऐसे खिलाड़ियों को तैयार कर सकते हैं। भारत को आने वाले समय में पहला टेस्ट 19 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। अजीत अगरकर को उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी वापसी कर सकते हैं। वहीं अगर शमी बांग्लादेश के खिलाफ वापसी नहीं कर पाते तो उनके पास अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच की टेस्ट सीरीज में वापसी करने का मौका होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ वापसी कर शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले खुदको तैयार कर सकते हैं साल के अंत में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

को वनडे सीरीज के लिए टीम में क्यों नहीं मिली जगह

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्रीलंका दौरे पर वनडे सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम में स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को मौका नहीं मिला है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम के चैंपियन बनने के बाद जडेजा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका चयन न होने पर सवाल खड़े हो रहे थे कि कहीं उनका वनडे करियर भी तो समाप्त होने की कगार पर तो नहीं है। भारत के श्रीलंका दौरे पर रवाना होने से पहले चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अजीत अगरकर ने जडेजा को लेकर कहा कि आगे खूब टेस्ट क्रिकेट होना है, ऐसे में उन्हें वनडे सीरीज में नहीं चुना

गया। अगरकर ने ये भी कहा कि टीम घोषित करते वक्त ही साफ कर देना चाहिए था कि वह ड्रॉप नहीं हुए हैं, बल्कि आराम दिया गया है। साथ ही अगरकर ने कहा कि, अक्षर और जड्डू दोनों को 3 मैचों की सीरीज के लिए लेना व्यर्थ होता। उन्होंने (जडेजा) वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्हें बिल्कुल भी ड्रॉप नहीं किया गया। अगर हम उन्हें लेते तो उनमें से कोई भी हर मैच नहीं खेल पाता। एक बड़ा टेस्ट सीजन आने वाला है। मुझे लगता है कि शायद हमें टीम की घोषणा करते समय ही ये स्पष्ट कर देना चाहिए था। वह अभी भी फॉर्मेट का हिस्सा हैं वह हमारे लिए बहुत अहम खिलाड़ी भी हैं। रविंद्र जडेजा ने अपना आखिरी वनडे 19 नवंबर 2023 को खेला था। ये मैच वनडे वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इस मैच में उन्होंने 9 रन बनाए थे जबकि उन्हें किसी भी विकेट की सफलता नहीं मिली थी। वहीं जडेजा के वनडे करियर की बात करें तो 197 मैच की 132 पारी में 32.42 की औसत और 85.06 की स्ट्राइक रेट से 2756 रन बनाए। उन्होंने 13 अर्धशतक जड़े और 87 उनका सर्वोच्च स्कोर है। 189 पारी में 36.07 की औसत और 4.88 की इकॉनमी से 220 विकेट झटके।

सचिन तेंदुलकर का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ देंगे-जो रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जो रूट को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। जो रूट ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट के चौथे दिन अपना 32वां टेस्ट शतक जमाया था। इस शतक के साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल को पीछे छोड़ा और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले आठवें बल्लेबाज बन गए हैं। इंग्लैंड ने इस मैच में वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई। इस बीच जो रूट के शतक से इंप्रेस होकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल ने अपने बयान में कहा कि वह भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। दरअसल, पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ने हाल ही में जो रूट के बारे में एक बड़ा बयान दिया।

उन्होंने कहा कि जो रूट, इंग्लैंड के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक है और उन्हें लगता है कि वह सचिन तेंदुलकर के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। बता दें कि, सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट क्रिकेट में कुल 15,921 रन बनाए हैं। ऐसे में माइकल वॉन का मानना है कि जो रूट में सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ने की पूरी क्षमता है। उनका कहना है कि रूट की बल्लेबाजी तकनीक और उनके लगातार प्रयास को देखकर ऐसा

लग रहा है कि वह सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने की ओर जा रहे हैं। रूट की बल्लेबाजी शैली बहुत ही संतुलित और तकनीकी रूप से मजबूत है, जो उन्हें अलग-अलग तरीकों की पिचों और गेंदबाजों के खिलाफ सफल बनाती है। वॉन ने आगे कहा कि रूट लंबे समय तक खेल सकते हैं। रूट का खेल सकते हैं। रूट का खेल में लंबे समय तक बने रहना, और लगातार अच्छे प्रदर्शन देना ही उन्हें इस रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में एक अहम कदम होगा। उनके पास एक शानदार तकनीक है, जिससे वे बाउंसिंग गेंदों, स्विंग गेंदों और स्पिन गेंदों का सामना कर सकते हैं। उनकी बैटिंग में धैर्य है, जो टेस्ट क्रिकेट के लिए सबसे अहम होता है।

पौध रोपण के पश्चात अंकुर वायुदूत ऐप में फोटो अपलोड करें : कलेक्टर

समय सीमा प्रकरणों की बैठक में पौध रोपण की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि एक पेड मां के नाम वृक्षा रोपण में पौधे लगाने के साथ उसका फोटो वायुदूत अंकुर ऐप में अपलोड करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि वृक्षा रोपण कार्यक्रम में जिले में बड़ी संख्या में अब तक पौधे लगाये गये हैं। लेकिन ऐप में अपलोड करने की स्थिति अत्यंत न्यून है।

सोमवार को समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने वृक्षा रोपण कार्य की समीक्षा की। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, कमिश्नर नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम एपी द्विवेदी, नीरज खरे, राहुल सिलाडिया, आरएन खरे, सुधीर बेक सहित जनपद पंचायत के सीईओ, नगर पालिका अधिकारी और जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि जिले में वृक्षा रोपण का सामान्य लक्ष्य 12 से 14 लाख वृक्ष और एक पेड मां के नाम कार्यक्रम में 20 हजार पौधे रोपित करने का न्यूनतम लक्ष्य है। जिले में लगभग 500 ग्राम पंचायतें हैं, यदि एक पंचायत में 10 पौधे भी प्रतिदिन रोपित हो तो 5 हजार पौधे एक दिन में लगाये जा सकते हैं। अब तक एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में 7021 पौध रोपण के फोटो अपलोड होने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई। कलेक्टर ने नगरीय निकायवार पौध रोपण की समीक्षा में पाया कि नगर पंचायत उचेहरा में 2 हजार, नागौद में 3 हजार, कोठी में 1600, रामपुर बघेलान में 350, कोटर में 250 पौधे लगाने की जानकारी दी गई है। लेकिन ऐप में अपलोड फोटो की संख्या काफी कम है। कलेक्टर ने सभी नगर पंचायतों के सीएमओ को लक्ष्य के विरूद्ध बहुत कम पौध रोपण पर कारण बताओ नोटिस जारी कर प्रतिलिपि आयुक्त रीवा संभाग को भेजने के निर्देश दिये। जनपद पंचायतवार समीक्षा में रामपुर बघेलान में 2700 पौध रोपण के विरूद्ध 700 पौधे, मझगवां में 4546 पौधे रोपण के विरूद्ध 1142 और उचेहरा में 3 हजार पौधों के विरूद्ध हजार से भी कम पौधे ही ऐप में अपलोड किये गये हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त आमजन के आवेदन पत्रों एवं सीएम डेस्क पोर्टल पर दर्ज सभी पत्रों का जबाव और पालन प्रतिवेदन तीन दिन के भीतर दर्ज कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिये। राजस्व महाअभियान 2.0 की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जिले में पिछले सप्ताह राजस्व में अच्छा काम हुआ है। जिसके फलस्वरूप रैंकिंग में सतना जिला 16वें पायदान पर है। राजस्व अभियान में लगकर काम करें, अभियान के दौरान सभी नक्शा तरमीम, राजस्व आर्डर का पोर्टल में दर्ज, खसरा सुधार, ई-केवायसी और स्वामित्व योजना के सभी लंबित कार्यों को पूरा करें। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व महाअभियान में तहसील मझगवां में सभी घटकों में अच्छा काम हुआ है। नागौद और रघुराजनगर सिटी को सुधार लाने की जरूरत है।

सीएम हेल्पलाइन में हुआ बेहतर कार्यः कलेक्टर अनुराग वर्मा ने समय सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा में कहा कि पिछले हफ्ते सीएम हेल्पलाइन में बेहतर कार्य हुआ है। इस हफ्ते 504 शिकायतें कम हुई है और सतना जिला 14470 लंबित शिकायतों से 13966 पर आ गया है। सभी विभागों की शिकायतें कम हुई है, लेकिन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और आबकारी विभाग की बढ़ी है। कलेक्टर ने इन विभागों को सीएम हेल्पलाइन पर फोकस करने को कहा। तीन सौ दिवस से अधिक की शिकायतों में महिला बाल विकास विभाग की 103 शिकायतें बढ़ी है। कलेक्टर ने कहा कि व्यक्तिगत लाभ संबंधी शिकायतें तभी फोर्स क्लोज होगी, जब वह व्यक्ति अपात्र होगा और नियमानुसार कार्य नहीं किया जा सकेगा।

ट्रांसपोर्ट नगर के तालाब में डूबे दो सगे भाई

एक की मौत, जबकि दूसरा गंभीर, दोस्तों के साथ गए थे नहाने

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर स्थित तालाब में डूब जाने से एक लड़के की मौत हो गई जबकि उसका बड़ा भाई अचेत हो गया। उसकी हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक, कोलगवां थाना अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माणाधीन तालाब में भरे पानी मे डूब जाने से पीयूष गुप्ता पिता शिव शरण गुप्ता (14) निवासी निधि स्कूल के पास नई बस्ती सतना की मौत हो गई। जबकि उसके बड़े भाई प्रिंस गुप्ता (16) की हालत गंभीर है। प्रिंस का इलाज सतना जिला अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि दोनों भाई प्रिंस और पीयूष मोहल्ले के कुछ अन्य लड़कों के साथ ट्रांसपोर्ट नगर तालाब में नहाने गए थे। नहाते हुए दोनों भाई गहरे पानी की तरफ चले गए जबकि 5 अन्य बच्चे भी पानी मे डूबने लगे। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास मौजूद रहे लोग उधर भागे और पानी मे कूद पड़े। लोगों ने 5 बच्चों को तो डूबने से बचा लिया लेकिन प्रिंस और पीयूष पानी मे डूब गए और दिखाई नहीं दिए।

हालांकि लोगों ने उन्हें भी निकाल लिया और एम्बुलेंस बुला कर दोनों को अस्पताल भेजा। उस वक्त दोनों की सांसें चल रही थीं लेकिन अस्पताल में इलाज शुरू होने के कुछ ही समय के अंदर पीयूष ने दम तोड़ दिया।

प्रिंस की हालत गंभीर है। उसे ह्रष्ट में रखा गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

सतना एयरपोर्ट पर 9 सीटर विमान की लैंडिंग-टेक ऑफ

पुनर्निर्मित रनवे पर जहाज ने 4 बार भरी उड़ान, एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम ने जांचा सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की टीम ने रविवार की सुबह सतना पहुंच कर यहां नई तकनीकी और सुविधाओं के साथ नए सिरे से बनाए गए एयरपोर्ट पर छोटे विमान की लैंडिंग और टेक ऑफ का ट्रायल किया। इसके लिए टीम अपने साथ 9 सीटर प्लेन भी लेकर आई थी।

रविवार सुबह 9 सीटर प्लेन के साथ दिल्ली से सतना पहुंची। एएआई की टीम ने एयरपोर्ट के रनवे का ट्रायल करने के साथ ही सीएनएस यानी कम्युनिकेशन नेविगेशन सिस्टम की टेस्टिंग भी की। एएआई की टीम सतना रनवे पर सुबह लगभग 10 बजे उतरी और दो बजे तक तमाम जांच-पड़ताल टेस्टिंग और अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो गई। इस दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम ने दोनों ओर से रनवे का ट्रायल किया।

प्लेन को दो बार कृष्णनगर छोर से टेक ऑफ कराया गया और इसी छोर से लैंडिंग भी कराई गई। इसी तरह जहाज ने दो बार बाइपास छोर से उड़ान भरी और इसी छोर से सतना के रनवे पर विमान को उतारा भी गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम ने चार घंटे चली जांच और टेस्टिंग के दौरान देखा और जाना कि सतना एयरपोर्ट में रनवे का पूरा सिस्टम ओके है या नहीं, उपकरण पूरी तरह से हाईटेक हैं या नहीं। टीम ने यह भी जाना है कि सतना रनवे में लाइट का सिस्टम विमान के टेकऑफ और लैंडिंग के अनुसार सही है या अभी उसमे कोई गुंजाइश है।

सतना पहुंची एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की टीम ने एयरपोर्ट के अंदर लगे सीएनएस यानी कम्युनिकेशन नेविगेशन सिस्टम के लिए लगे उपकरणों की पूरी जांच की। जिससे यह पुख्ता हो सके कि विमानों के उड़ने व उनके उतरने के दौरान पूरा कंट्रोल सिस्टम सही है अथवा उसमें कोई खामी है।

क्या है सीएनएसः जानकार बताते है कि सीएनएस का मुख्य कार्य हवाई यातायात प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करना तथा यह सुनिश्चित करना हैं कि हवाई यातायात सुरक्षित है। यानी हवाई नेविगेशन, सटीक, विश्वसनीय और निर्बाध स्थिति निर्धारण क्षमता प्रदान करके एक स्थान से दूसरे स्थान तक विमान की आवाजाही की योजना बनाने, रिकॉर्ड करने और नियंत्रित करने की प्रक्रिया के लिहाज से दुरुस्त और विश्वसनीय है। लिहाजा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की टीम के लिए रनवे के साथ इस हाईटेक सिस्टम प्रणाली से संतुष्ट होना बेहद अनिवार्य है।

जानकार बताते हैं कि संचार और नेविगेशन सिस्टम किसी भी विमान की सुरक्षा और प्रदर्शन के लिए आवश्यक हैं। वे पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और ग्राउंड स्टाफ को सूचनाओं का आदान-प्रदान करने, कार्यों का समन्वय करने और उड़ान की स्थिति की निगरानी करने की अनुमति देते हैं। जिससे हवाई यात्राएं सुरक्षित रहें।

एडिप योजनांतर्गत दिव्यांगजनों को परीक्षण हेतु शिविर आज जनपद पंचायत अमरपाटन में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। हाउसिंग एण्ड अरवन डेपलपमेंट कार्पोरेशन (हुडको) के नियमित सामाजिक (सीएसआर) योजनान्तर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर द्वारा मैहर जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण व कैलिपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु शिविर आयोजित किये जायेंगे।

मैहर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रानी बाटड के निर्देशन में दिव्यांगों को उपकरणों के लिए पात्रता का परीक्षण करने तीन दिवसीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 23 जुलाई को जनपद पंचायत अमरपाटन तथा 25 जुलाई को जनपद पंचायत रामनगर में शिविर आयोजित किये जायेंगे। दिव्यांगजन परीक्षण शिविर में दस्तावेज के साथ उपस्थित रहेंगे। शिविर में फोटो, आधारकार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यूडीआईडी कार्ड) 40 प्रतिशत या उससे अधिक अन्य सहायक उपकरण, 80 प्रतिशत या उससे अधिक मोटराईज्ड ट्रायसिकल के लिए, 100 प्रतिशत दिव्यांगता नेत्रहीन दिव्यांगों के लिए (सुगम्य केन एवं स्मार्ट फोन) के लिए समग्र आईडी, बीपीएल राशनकार्ड या आय प्रमाण पत्र तथा आवासीय प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य है।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-समस्तीपुर के बीच दौड़ेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशनों से यात्रा करने वालों को मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रेल प्रशासन ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस व समस्तीपुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस स्पेशल ट्रेन के चलने से सतना , मैहर ,कटनी और जबलपुर स्टेशनों से मुंबई तथा समस्तीपुर की यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को फायदा होगा।

पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि स्पेशल गाड़ी संख्या 01043/01044 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर ठहर कर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 01043 एलटीटी से समस्तीपुर स्पेशल ट्रेन 24 जुलाई 2024 एलटीटी स्टेशन से दोपहर 12:15 बजे प्रस्थान करेगी। यह गाड़ी अगले दिन इटारसी मध्यरात्रि में 00:20 बजे, पिपरिया 01:40 बजे, जबलपुर 04:30 बजे, कटनी सुबह 07:00 बजे, मैहर 07:42 बजे, सतना 08:25 बजे और रात्रि 21:15 बजे समस्तीपुर स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01044 समस्तीपुर से एलटीटी स्पेशल ट्रेन 25 जुलाई 2024 को समस्तीपुर स्टेशन से रात्रि 23:20 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन सतना दोपहर 12:10 बजे, मैहर 12:48 बजे, कटनी 13:30 बजे, जबलपुर 15:25 बजे, पिपरिया 18:00 बजे, इटारसी 19:55 बजे और तीसरे दिन सुबह 07:40 बजे एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 12 शयनयान श्रेणी, 10 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 24 कोच रहेंगे।

इन स्टेशनों पर होगा ठहरावः रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर एवं मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

पुणे-दानापुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के होंगे सभी कोच, सतना -कटनी और जबलपुर में भी होगा ठहराव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रेलवे ने यात्रियों की भीड़ और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुणे - दानापुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन में सभी कोच थर्ड एसी इकॉनमी क्लास के होंगे। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि गाड़ी संख्या 01421 और 01422 पुणे-दानापुर-पुणे के मध्य स्पेशल ट्रेन दो-दो ट्रिप चलेगी। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 01421 पुणे-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 21 एवं 25 जुलाई 2024 को पुणे स्टेशन से रात्रि 19:55 बजे प्रस्थान करेगी। स्पेशल ट्रेन अगले दिन इटारसी 12:05 बजे जबलपुर 15:35 बजे, कटनी 16:55 बजे, सतना 18:20 बजे पहुंचकर तीसरे दिन बुधवार भोर में 04:30 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01422 दानापुर-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 23 और 27 जुलाई 2024 को दानापुर स्टेशन से सुबह 06:30 बजे प्रस्थान कर, सतना 17:30 बजे, कटनी 18:55 बजे, जबलपुर 21:30 बजे तथा अगले दिन मध्य रात्रि इटारसी 01:40 बजे और सायं 17:35 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के ठहराव

यह गाड़ी दोनों दिशाओं में दौडकर कार्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड़, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

वर्षा ऋतु में पशुपालक करें पशुओं की विशेष देखभाल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। बदलते मौसम में जहाँ मानव जीवन के स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस जरूरी है, वहीं पशुधन की भी वर्षा ऋतु में देखभाल बहुत आवश्यक है। पशुपालन विभाग की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाकर पशुपालकों को उनके पशुओं की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस मौसम में वातावरण में आई नमी में बढोतरी के कारण पशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जीवाणु, विषाणु फफूंद जनित एवं पशु परजीवियों जैसे जूं, मक्खी व मच्छरों से होने वाली सभी प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि विभाग पशुपालकों को पशुओं की देखभाल के लिए जागरुक कर रहा है। बरसात के मौसम में पशुपालकों को पशुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पशुओं को सूखे स्थान पर रखें जहां पर हवा व धूप की मात्रा पर्याप्त में हो। साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। पशुओं को यदि पक्के फर्श पर रखा जाता है तो उस स्थान पर सप्ताह में कम से कम दो बार कीटाणुनाशक दवाई से सफाई करें। परजीवियों से बचाव के लिए पशुपालक पशु बाड़े में मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा समय समय पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श करके परजीवियों से बचाव के लिए दवाईयां व जानकारी प्राप्त करें। पशुओं के खुरों को समय-समय पर साफकरते रहें। क्योंकि इस मौसम में फफूंद को बढ़ावा मिलता है। पशुओं को समय पर पेट के कीड़ों की दवाई दें व नियमित टीकाकरण करायें। उन्होने सलाह दी है कि अगर किसी भी बीमारी का लक्षण पशुओं में दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें तथा पशु चिकित्सक की सलाह से उचित उपचार करवाएं।

मैहर कलेक्टर ने विभागीय कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सोमवार को विभागीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर बाटड ने एसडीएम, तहसील एवं नायब तहसील कार्यालय मैहर, अमदरा, बदेरा, नादन का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर एसडीएम मैहर विकास सिंह तथा तहसीलदार जितेन्द्र पटेल उपस्थित रहे।

कलेक्टर बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के अंदर करें और जिन मामलों का निराकरण किया जा चुका है, उन फाइलों को स्टोर में जमा करें। राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों में सीमांकन, बटवारा तथा नामांतरण का त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों दिए गए। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों को दस्तावेजों के रख रखाव और साफ-सफाई के लिए संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय कार्यालय समय पर प्रातः 10 बजे खोले जाये और अधिकारी-कर्मचारी अपनी उपस्थिति समय पर सुनिश्चित करें।

मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय में 150 पौधे रोपित किये गये

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। एक पेड मां के नाम अभियान अंतर्गत मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सोमवार को मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय में पौधा रोपण किया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त कर्मचारियों ने भी एक पेड़ मां के नाम अभियान में हिस्सा लेते हुए एक-एक पेड़ लगाए। साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाया। पौधा रोपण कार्यक्रम में 150 पेड़ लगाने का लक्ष्य को पूरा किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, रमेश अग्निहोत्री, मेदनी सिंह, सतेन्द्र गुप्ता, प्रदीप विश्वकर्मा, उमा सिंह, वीरेंद्र अहिरवार, संजय महतो, गुरेंद्र सिंह, आनंद मिश्रा, शीला केवट, रामदास जाटव, राम सनेही उपस्थिति रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।